दैनिक

प्रतिदिन राजधानी

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 96 रायपुर, बुधवार, 22 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 सीएम साय हेल्पलाइन ...

2017 से ही प्रोड्यूसर ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

केरल के त्रिशूर में पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, मची अफरा-तफरी

13 लोगों की मौत, 5 की हालत गंभीर

एजेंसी, केरल

केरल के त्रिशूर जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां मुंडाथिकोड इलाके में पटाखा बनाने वाली यूनिट में जोरदार धमाका हुआ, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, 5 की हालत गंभीर बनी हुई और भी कई लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि जिस शेड में यह धमाका हुआ, वहां करीब 40 लोग मौजूद थे। इनमें से कई लोग बुरी तरह झुलस गए हैं और कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा उस समय हुआ जब आने वाले मशहूर त्योहार त्रिशूर पूरम (अद्धह्वद्धह्यह्यह्नह्न- क्कश्शह्वद्ध) की तैयारी के लिए पटाखे बनाए जा रहे थे।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। तस्वीरों में भी लोग खुद रेस्क्यू करते नजर आए। केरल स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। पांच शव पूरे मिले, जबकि तीन लोगों के शरीर के हिस्से मलबे से बरामद किए गए। पांच की हालत गंभीर है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को हर जरूरी इलाज मुहैया कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की मदद ली जाए।

स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने भी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और खास इलाज की व्यवस्था करने को कहा है। साथ ही 108 एम्बुलेंस समेत अतिरिक्त एम्बुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, धमाका दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ और उसके बाद भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे, जिससे बचाव कार्य में दिक्कत आई। बताया जा रहा है कि यह यूनिट खेतों के बीच बने अस्थायी शेड में चल रही थी।

फायर ब्रिगेड, पुलिस और राहत टीम लगातार मौके पर काम कर रही हैं, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण हालात काफी चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई और आसपास के घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

प्रधानमंत्री ने जताया दुःख, मुआवजे की घोषणा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विस्फोट की घटना पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक संदेश में कहा, केरल के त्रिशूर में एक पटाखा फैक्टरी में हुई दुर्घटना के कारण हुई जान-माल की हानि के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

केदारनाथ धाम के कपाट आज खुलेंगे, तैयारियां पूरी

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट कल यानी बुधवार को प्रातः 08 बजे शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसके साथ केदारनाथ यात्रा 2026 का आधिकारिक शंखनाद हो जाएगा।

कपाट उद्घाटन के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी धाम पहुंचकर परंपरागत धार्मिक अनुष्ठानों एवं विशेष पूजा-अर्चना में शामिल होंगे। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी उत्सव डोली भी धाम पहुंच चुकी है। प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों ने कपाट खुलने की सभी तैयारियां भी पूरी कर ली हैं। कपाट खुलने को लेकर पूरे धाम क्षेत्र में भव्य धार्मिक वातावरण देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच रहे हैं और बाबा के दर्शन के लिए उत्साह चरम पर है। केदारनाथ मंदिर को 51 क्विंटल फूलों से सजाया गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके तहत सड़क मार्गों की मरम्मत, यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन, पैदल मार्ग पर पेयजल, शौचालय, आवास एवं खान-पान सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

मप्र के ओंकारेश्वर में हुआ पांच दिवसीय एकात्म पर्व, शंकरदूत के रुप में दीक्षित हुए देश-विदेश के 700 युवा

- अद्वैत वेदांत दर्शन के सुदीर्घ प्रसार के लिए स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती और गौतम भाई पटेल सम्मानित

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित प्रसिद्ध तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में आयोजित पांच दिवसीय शंकर प्रकटोत्सव 卐एकात्म पर्व卐 का मंगलवार को आदि शंकराचार्य की जयंती वैशाख शुक्ल पंचमी पर भव्य समापन हुआ। इससे पूर्व संतों की उपस्थिति में नर्मदा तट पर आयोजित

दीक्षा समारोह में देश-विदेश के 700 से अधिक युवा 'शंकरदूत' के रूप में दीक्षित हुए।

आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग मप्र शासन द्वारा

ओंकारेश्वर के मांधाता पर्वत पर स्थित एकात्म धाम में आयोजित एकात्म पर्व के समापन अवसर पर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि, चिन्मय मिशन के पूर्व वैश्विक प्रमुख स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती, मप्र के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, दक्षिणामूर्ति मठ के प्रमुख स्वामी पूर्णानंद गिरी, माँ पूर्ण प्रज्ञा, प्रख्यात शिक्षाविद् गौतम भाई पटेल, महंत मंगलदास त्यागी तथा वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम् के प्राचार्य ब्रह्मर्षि कुप्प शिव सुब्रमण्यम अवधानी की उपस्थिति रही।

अद्वैत के आलोक स्तंभों का सम्मान

एकात्म पर्व के समापन समारोह में शैक्षणिक जगत की दो प्रखर विभूतियों को सम्मानित किया गया। इनमें चिन्मय

महासमुंद पुलिस ने पकड़ी 46 लाख की चांदी

महासमुंद (प्रतिदिन राजधानी)

महासमुंद जिले की सिंघोड़ा पुलिस ने श्याम ट्रैवल्स की बस से 600 नग चांदी पकड़ी है, जो 18.590 किलोग्राम, करीब 46 लाख 68 हजार रूपये की है.

महासमुंद पुलिस सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध पदार्थ परिवहन रोकथाम हेतु सघन चेकिंग अभियान चला रही है. इस दौरान सिंघोड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है.

पुलिस ने रेहटीखोल नाका

(NH-353) पर श्री श्याम ट्रैवल्स की बस मे सवार यात्री से करीब 18.590 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं, जिसकी बाजार मूल्य 46,68,090 रुपये आंकी गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की सफाई

प्रधानमंत्री को आतंकवादी नहीं कहा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री को कभी आतंकवादी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि उनका आशय यह था कि प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक ताने-बाने को डरा-धमका रहे हैं।

खरगे ने चेन्नई में केसी वेणुगोपाल के साथ पत्रकार वार्ता में आईएडीएमके और भाजपा गठबंधन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कह दिया था। लेकिन जब पत्रकारों ने उनसे इस टिप्पणी के संदर्भ में सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उनका मतलब था कि प्रधानमंत्री

लोगों और राजनीतिक दलों को डराने-धमकाने का काम कर रहे हैं।

इसके बाद खरगे ने कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि प्रधानमंत्री आतंकवादी हैं। उनका आशय था कि प्रधानमंत्री अपनी शक्ति और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर विपक्षी दलों पर झूठे आरोप लगा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह विवादित बयान एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर हमला करते हुए दिया था। उन्होंने कहा था कि एआईएडीएमके, जो अन्नादुरई की तस्वीर लगाती है, वह मोदी के साथ कैसे जा सकती है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद खरगे ने अपने बयान को लेकर सफाई दी और कहा कि उनका आशय लोकतंत्र को कमजोर करने वाली राजनीति की ओर इशारा करना था।

शहरों में बेतरतीब निर्माण, अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर सख्ती से लगाएं रोक : उप मुख्यमंत्री साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों की समीक्षा का दौर आज मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में आज दिनभर चली बैठक में सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने बैठक में नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को बेतरतीब निर्माणों, अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर

पंचायतों के कार्यों और व्यवस्थाओं में कसावट लाने को कहा। साव ने कहा कि काम में लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जवाबदेही तय कर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने सभी सीएमओ को नई सोच और नई कार्य पद्धति से शहरों तथा शहरवासियों के कल्याण के लिए काम करने को कहा। उन्होंने राज्य के उभरते शहरों को सुव्यवस्थित, सुनियोजित, स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ ही नागरिकों के लिए पर्याप्त जन सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पांचों संभागों के विभागीय क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को हर तिमाही में प्रत्येक नगर पालिका और नगर पंचायत का व्यक्तिगत निरीक्षण कर संचालक को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री ने सभी सीएमओ को आगामी 31 मई तक नगर पंचायतों की नई संपत्तियों पर करारोपण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व संग्रहण बढ़ाने संपत्ति कर, जल कर, यूजर चार्ज जैसे करों की वसूली गंभीरता और कड़ाई से करने को कहा। उन्होंने एनर्जी ऑडिट के माध्यम से गैर-जरूरी विद्युत कनेक्शनों की पहचान कर इसके विच्छेदन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकाय के सभी कार्मिकों को हर माह समय पर वेतन और बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित करने को भी कहा।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में चुनाव प्रचार थमा, 23 अप्रैल को मतदान

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम 5 बजे थम गया। पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों और तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा।

चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार शाम 5 बजे से दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार पूरी तरह थम गया और 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया। नियमों के मुताबिक मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार अभियान पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया जाता है, ताकि मतदाता बिना किसी दबाव के स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें। यह प्रावधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत लागू होता है। इस दौरान न तो रैलियां आयोजित की जा सकती हैं और न ही टीवी, अखबार या सोशल मीडिया पर प्रचार किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।

मतदान को बढ़ावा देने और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने राज्यभर में व्यापक जागरुकता अभियान शुरू किए हैं।

तमिलनाडु में इस बार कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां मुख्य मुकाबला द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच माना जा रहा है। वहीं अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के कारण कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने किया मोबाइल सेवा ऑपरेटरों की नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने फ़रवरी 2026 के महीने के दौरान हरदोई एवं शाहजहांपुर शहर और आसपास के क्षेत्र तथा वाराणसी से प्रयागराज रेलवे में इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट आयोजित किए थे । इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट को विभिन्न उपयोगी वातावरणों – जैसे शहरी ,हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्र, आदि में रीयल वर्ल्ड के मोबाइल प्रदर्शन को आंकने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।

भा.दू.वि.प्रा. ने अपनी नियुक्त एजेंसी के माध्यम से हरदोई एवं शाहजहांपुर शहर और आसपास के क्षेत्र तथा वाराणसी से प्रयागराज रेलवे मार्ग में 16 फ़रवरी से 20 फ़रवरी 2026 के दौरान 426.0 किलोमीटर सिटी टेस्ट, 123.2 किलोमीटर रेलवे रूट टेस्ट और 4.2 किलोमीटर वॉक टेस्ट आयोजित किए। ड्राइव टेस्ट के दौरान, सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के सिम कार्डों के साथ एडवांस टेस्ट हैंडसेटों का उपयोग करते हुए 2G, 3G, 4G और 5G नेटवर्क पर लाइव डेटा और वॉयस सेशन स्थापित किए गए थे। आईडीटी के निष्कर्षों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सभी संबंधित दूरसंचार सेवा

प्रदाताओं को प्रेषित कर दिया गया है।

प्रमुख मूल्यांकित पैरामीटर :

वॉइस सेवाएं: कॉल सेटअप सक्सेज रेट, ड्रॉप कॉल रेट, कॉल सैटअप टाईम, कॉल **साइलेंस रेट, स्पीच क्वालिटी MOS कवरेज**

डेटा सेवाएँ: डाउनलोड/ अपलोड थ्रूपुट , लेटेंसी, ज़िटर, पैकेट ड्रॉप रेट, और वीडियो स्ट्रीमिंग डिले,

कॉल सेटअप सक्सेज रेट: ऑटो-सिलेक्शन मोड में एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सक्सेज रेट क्रमशः 99.86%, 91.23%, 100.00% और 99.44% की है।

ड्रॉप कॉल दर: ऑटो-सिलेक्शन मोड में एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की ड्रॉप कॉल रेट क्रमशः 0.14%, 2.75, 0.56% और 0.00% की है।

ऑटो-सिलेक्शन मोड में सिटी ड्राइव टेस्ट (वॉयस टेस्टिंग) के दौरान एयरटेल, बीएसएनएल, वीआईएल और आरजेआईएल के लिए शहरी ड्राइव के दौरान तय किए गए मार्ग के क्रमशः 3.18%, 23.62%, 3.91% और 15.47% हिस्से पर सिग्नल की शक्ति कमजोर पाई गई।

ऑटो-सिलेक्शन मोड (5G/4G/3G/2G) में सिटी ड्राइव टेस्ट (डेटा टेस्टिंग) के दौरान एयरटेल, बीएसएनएल, वीआईएल और आरजेआईएल के लिए शहरी ड्राइव के दौरान तय किए गए मार्ग के क्रमशः 15.20%, 31.13त्न, 18.18% और 32.37त्न हिस्से पर सिग्नल की शक्ति कमजोर पाई गई।

ऑटो-सिलेक्शन मोड (5G/4G/3G/2G) में रेलवे ड्राइव टेस्ट (वॉयस टेस्टिंग) के दौरान एयरटेल, बीएसएनएल, वीआईएल और आरजेआईएल के लिए शहरी ड्राइव के दौरान तय किए गए मार्ग के क्रमशः 2.19%, 39.67%, 1.44% & 14.75% हिस्से पर सिग्नल की शक्ति कमजोर पाई गई।

मंत्रालय में सिविल सर्विस डे मनाया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में सिविल सर्विस दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य सचिव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शासन द्वारा ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाओं को पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। शासन की अधिक से अधिक सेवाओं को लोक सेवा गांरटी सेवा के दायरे में लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की करीब 750 सेवाओं को लोक सेवा गारंटी के तहत अधिसूचित किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 21 अप्रैल को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सिविल सर्विस दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर देशभर के उत्कृष्ट कार्य करने वाले

अधिकारियों एवं विभागों को पुरस्कृत किया जाता है। पूर्व मुख्य सचिव श्री सुयोग्य कुमार मिश्रा ने सिविल सर्विस दिवस के मौके पर प्रशासन की विविध क्षेत्रों में कार्य करने एवं महत्वता के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्य सचिव एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह भी विशेष रूप से शामिल हुए। सुशासन एवं अभिसरण विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत ने मुख्यमंत्री हेल्प लाईन के बारे में लोगों द्वारा विविध माध्यम से अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए शिकायत दर्ज कराने एवं निराकरण के प्रबंधन एवं सुविधा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद ने ई-डिस्टिक प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, सामान्य प्रशासन एवं उद्योग वाणिज्य विभाग के सचिव रजत कुमार, परिवहन विभाग के सचिव एस.प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के सचिव और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये सभी संभागायुक्त एवं जिलों के कलेक्टर शामिल हुये।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30497/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30497
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR445Q00039 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती HARSHIL WADHWANI, SANJAY WADHWANI पिता/पति श्री/श्रीमती SANJAY WADHWANI, KRIPALDAS WADHWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. श्री अजय कुमार शर्मा 2. श्रीमती स्मिता शर्मा पिता/पति श्री/श्रीमती 1. पिता श्री बैजनाथ प्रसाद शर्मा 2. पति श्री अजय कुमार शर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 21770/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21770
वार्ड का नाम - 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446OSB111 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती D U P L I C A T E RPR446OSB110 पिता/पति श्री/श्रीमती DUPLICATE RPR446OSB110 के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती Atmaram ledwani पिता/पति श्री/श्रीमती Bhagwandas ledwani ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30532/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30532
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651G4102E जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PRIYA MISHRA पिता/पति श्री/श्रीमती ANDAND MISHRA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT. EKTA JASANI पिता/पति श्री/श्रीमती W/O PRASHANT JASANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30303/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30303
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR445C0259C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANIL LAKHISRANI पिता/पति श्री/श्रीमती GURUMUKH DAS LAKHISRANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती चरणजीत कौर बग्गा पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री हरजीत सिंह बग्गा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30468/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30468
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446R00068 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJU LAL FATNANI, NEELAM RAJU FATNANI पिता/पति श्री/श्रीमती LT. TULASRAM FATNANI, RAJU FATNANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती जेहानत परवीन पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री सैय्यद अनवर अली ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29803/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29803
वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446D00093 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती HARISH SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती HARISH SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT. JYOTI SHRMA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O MR. MANOJ SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29801/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29801
वार्ड का नाम - 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446D00092 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ARVIND SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती ARVIND SHARMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT. JYOTI SHRMA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O MR. MANOJ SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30499/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30499
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR445F00095 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MADHURI PANJWANI पिता/पति श्री/श्रीमती RAJKUMAR PANJWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. श्री पंकज पंजवानी 2. श्रीमती मीना पंजवानी पिता/पति श्री/श्रीमती 1. पिता श्री राजकुमार पंजवानी 2. पति राजकुमार पंजवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नहरपारा सिंधी पंचायत में अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती मनाई गई

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नहरपारा सिंधी पंचायत ने झूलेलाल सदन नहरपारा में अक्षय तृतीया मनाई गई। नहरपारा झूललेलाल सदन में स्थित शंकर मंदिर में पूजा करके प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर भगवान परशुराम की जयंती भी मनाई गई तथा प्रसादी व मठा का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, मुखी हरनाम तलरेजा, मुखी बलराम पी. आहूजा, शंकर दानवानी, किशोर आहूजा, सुरेश बठेजा, रतन लिलानी, अमर वलेचा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

श्रद्धांजली

रायपुर। नईदुनिया रायपुर की पत्रकार लक्ष्मी कुमार की माता जी श्रीमती लता देवी (70 वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद 21 अप्रैल 2026 मंगलवार को निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार कोटा मुक्तिधाम, रायपुर में किया गया।

प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा 'भारतीय', उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े सहित सभी सदस्यों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्होंने श्रद्धांजली अर्पित की है।

एनआरसी वार्ड का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार और फॉलोअप के सख्त निर्देश

बलरामपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) वार्ड का कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने आज मंगलवार को औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भर्ती कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य, उपचार व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया तथा सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने वार्ड में बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार, उनके वजन और ऊंचाई में हो रही प्रगति की जानकारी ली। साथ ही कम वजन वाले बच्चों के उपचार की स्थिति और स्वास्थ्य सुधार की प्रक्रिया का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट

निर्देश दिए कि एनआरसी में भर्ती बच्चों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने अधिकारियों को एनआरसी को और अधिक सुदृढ़ बनाने, व्यवस्थाओं में सुधार करने और कुपोषित बच्चों को शीघ्र स्वस्थ करने के लिए विशेष ध्यान देने को कहा। इसके साथ ही जिन बच्चों को एनआरसी से छुट्टी दी जाती है, उनका नियमित फॉलोअप अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार बना रहे।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय सिंह, सिविल सर्जन डॉ. शशांक गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता सुरेन्द्र सिंघ ढिंगी उम्र 48 वर्ष पिता स्व. श्री बलदेव सिंघ ढिंगी निवासी - एम.आई.जी. 117 फेस-1 रिंग रोड नंबर 02 कबीर नगर हीरापुर रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ कि:-

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2. यह कि मेरे पुत्र- इशर दीप सिंघ ढिंगी का जन्म दिनांक 12.03.2025 को जन्म स्थान - श्री बालाजी इंस्टीट्यूट मोवा रायपुर में हुआ है। पंजीकरण संख्या बी-2025 22904340003470 जारी दिनांक 25.08.2025 है। जिसमें पुत्र का नाम- ISHWER DEEP SINGH, पिता का नाम - सुरेन्द कुमार ढिंगी SURENDRA KUMAR DHINGI माता का नाम- श्रीमती अमरजीत कौर (SMT. AMARJEET KOUR) लिखा व दर्ज है। जो कि गलत है।

3. यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम- इशर दीप सिंघ ढिंगी (ISHER DEEP SINGH DHINGI) पिता का नाम-सुरेन्द्र सिंघ ढिंगी (SURENDRA SINGH DHINGI) माता का नाम- श्रीमती अमरजीत कौर ढिंगी (SMT. AMARJEET KOUR DHINGI) लिखा व दर्ज कर / सुधार कर डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावें। यदि किसी भी प्रकार की गलत जानकारी पाया जाता हैं तो मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। जिस हेतु यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है। जिस हेतु माता-पिता का आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न प्रस्तुत है।

सत्यापन:-

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पत्र के माध्यम से यह सत्यापित करता हूं कि ऊपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
सुरेन्द्र सिंघ ढिंगी

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर 02

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला- रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00038 खमतराई ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CG-2026-27-108-1-72

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00038 के अंतर्गत ग्राम खमतराई के वर्तमान भूमिस्वामी के शारदा पिता/पति-स्वर्गीय एम सिम्हाचलम पता-सरकंडा बिलासपुर छग, कुमिलि वेंकट लक्ष्मी पिता/पति-स्वर्गीय एम सिम्हाचलम पता-लिंगियाडीह बिलासपुर छग, गायत्री पिता/पति-स्वर्गीय एम सिम्हाचलम पता-हेमू नगर बिलासपुर छग, संतोष कुमार पटनायक पिता/पति-स्वर्गीय नरसिंग पटनायक पता-खमतराई रायपुर छ ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 450/14 (0.0149) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता वेंकटराम पिता/पति-स्वर्गीय एम सिम्हाचलम पता-खमतराई रायपुर छग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/05/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर 02 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनघाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/04/2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार:
Rakesh Dewangan
तहसील रायपुर

मुहर

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ :- जिला- रायपुर तहसील- अभनपुर प.ह.न.-00027 बेलभाठा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-RD202526441630300030

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00027 के अंतर्गत ग्राम बेलभाठा के वर्तमान भूमिस्वामी पनीता पिता/पति-पति संजय मेश्राम पता-सा. राजनांदगाँव के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 391/2(0.0100) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता पविता मेश्राम पिता/पति-संजय मेश्राम पता-स्टेशन पारा बुढीमाई मंदिर के पास वार्ड नं. 11 राजनांदगांव छ.ग. के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06/05/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार अभनपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व यां सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/04/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार : SITA SHUKLA
अभनपुर, जि. रायपुर (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर छ.ग.

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्रमांक/ /अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 17/04/2026
ग्राम- डंगनिया, प.ह.नं.-60,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती सरिता नासरे पति श्री किरण नासरे निवासी-सी-31, अजय स्मृति आर.एम.एस. कालोनी टैगोर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि प.ह.नं. 58 रा.नि.म. रायपुर-13-भाठागांव तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 162/2, का भाग क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट भूमि भाग-02 लोकमान्य सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित रायपुर के प्रथम चरण की आवास योजना के अंतर्गत भूखण्ड क्रमांक सी-3/10 क्रय कर दखल कब्जा प्राप्त किया है। आवेदिका का नाम दर्ज कर नामांतरण की कार्यवाही किये जाने का आदेश पारित करने का निवेदन किया है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 30/04/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 30/04/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

मुहर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30423/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30423
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651D00769 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAMCHANDRA TIWARI पिता/पति श्री/श्रीमती MUNI MAHESH TIWARI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती संतोषी साहू पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री संतोष कुमार साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30466/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30466
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446R00047 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANGITA AGRAWAL पिता/पति श्री/श्रीमती RAJESH AGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री सैय्यद अनवर अली पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री अहमद अली ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30429/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30429
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651D1048B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती abdul rab abdul altaf पिता/पति श्री/श्रीमती abdul rab abdul altaf के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. प्रद्यूमन सावंरिया 2. रगिनी सावंरिया 3. सुधांशु सावंरिया 4. हिमांशु सावंरिया पिता/पति श्री/श्रीमती चारो के पिता श्री स्व. सतीश सावंरिया ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30424/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30424
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651D00643 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHAHIDA BEGAM पिता/पति श्री/श्रीमती MO. YUSUF KHAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. मोहम्मद युसूफ खान 2. मोहम्मद युनुस राज 3. मोहम्मद खालिक रजा 4. श्रीमती तरन्नुम फिरदौस पिता/पति श्री/श्रीमती 1. पिता श्री मोहम्मद स्माईल खान 2. पिता मोहम्मद युसूफ खान 3. पिता श्री मोहम्मद युसूफ खान 4. पिता श्री मोहम्मद युसूफ खान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30425/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30425
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651D1048C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती abdul rab abdul altaf पिता/पति श्री/श्रीमती abdul rab abdul altaf के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती वंदना साहू पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री संजीव कुमार साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 30426/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 30426
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651F00647 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANJAY D TELANG पिता/पति श्री/श्रीमती C.D.S. TELANG के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. कु. शीतल अग्रवाल 2. श्रीमती हेमलता अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती 1. पिता स्व. श्री विजय कुमार अग्रवाल 2. पति स्व. श्री विजय कुमार अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29399/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 21/04/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29399
वार्ड का नाम - 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446J01402 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RITU SADHWANI पिता/पति श्री/श्रीमती SANJAY SADHWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री संतोष रतनानी एच.यू.एफ. द्वारा कर्ता संतोष रतनानी पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री सी.जे. रतनानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03,
सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला रायपुर में निर्मित भवन क्रमांक बनयान- I/135, श्री विवेक रंजन पाण्डेय पिता श्री श्याम सुंदर पाण्डेय, के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 20.02.2014 को सेलडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। आबंटी श्री विवेक रंजन पाण्डेय पिता श्री श्याम सुंदर पाण्डेय, द्वारा दिनांक 14.12.2023 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत आबंटी श्री विवेक रंजन पाण्डेय पिता श्री श्याम सुंदर पाण्डेय, द्वारा श्री विश्वश्री पाण्डेय पिता श्री विवेक रंजन पाण्डेय को आम मुख्त्यार नियुक्त किया गया है। आबंटी द्वारा नियुक्त आम मुख्त्यार श्री विश्वश्री पाण्डेय पिता श्री विवेक रंजन पाण्डेय द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री लेखधर दीवान पिता श्री राम कुमार दीवान, निवासी-बनयान-135, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 13.08.2024 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन क्रेता श्री लेखधर दीवान पिता श्री राम कुमार दीवान, द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर

कार्यालय कलेक्टर/अध्यक्ष जिला निर्माण समिति सुकमा, जिला-सुकमा (छ.ग.)

// ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय दौर निविदा सूचना क्रमांक- 01 //

क्रमांक/206/निविदा/जि.नि.स./2026-27, सुकमा दिनांक- 21/04/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 04/05/2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	कार्यालय में निविदा की मैनुअल दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि
1	2	3
प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य नयापारा कुमाकोलेंग वि.ख. छिन्दगढ़ (विद्युतीकरण सहित)	15.94	06/05/2026 शाम 5.30 बजे।
आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य साकलेर-01 पोटकपल्ली वि.ख. कोन्टा (विद्युतीकरण सहित)	8.60	
आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य साकलेर-02 पोटकपल्ली वि.ख. कोन्टा (विद्युतीकरण सहित)	8.60	
प्राथमिक शाला भवन निर्माण पोरोकोण्डासांवली एवं बेदरे का बचत कार्य वि.ख. कोन्टा (विद्युतीकरण सहित)	23.01	
प्राथमिक शाला भवन निर्माण पुरानापारा भेरपल्ली वि.ख. कोन्टा (विद्युतीकरण सहित)	18.32	

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 22/04/2026 से देखी / डाऊनलोड की जा सकती है ।

नोडल अधिकारी
जिला निर्माण समिति सुकमा
जिला सुकमा (छ.ग.)

G-262700304/5

सीएम साय हेल्पलाइन नंबर से आपकी समस्याओं का होगा निदान

अफसरों को इन समस्याओं का तय सीमा में निराकरण करना होगा.

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में जल्द सीएम हेल्पलाइन नंबर शुरू होने जा रहा है. 24 घंटे सक्रिय रहने वाले इस हेल्पलाइन नंबर पर राज्य का कोई भी व्यक्ति समस्या या फिर शिकायत कर सकेगा. अफसरों को इन समस्याओं का तय सीमा में निराकरण करना होगा.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह जानकारी जशपुर के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में दी. उन्होंने बताया की सीएम हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों या फिर समस्याओं के निराकरण के लिए समय निर्धारित होगा. अगर तय समय पर

शिकायत या समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी. छत्तीसगढ़ विधानसभा में निंदा प्रस्ताव के लिए आहुत विशेष सत्र पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की महिलाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया. इसे लेकर विधानसभा में विशेष सत्र बुलाया गया है.मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह जानकारी जशपुर के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में दी. उन्होंने बताया की सीएम हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों या फिर समस्याओं के निराकरण के लिए समय निर्धारित होगा. अगर तय समय पर शिकायत या समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी. छत्तीसगढ़ विधानसभा में निंदा प्रस्ताव के लिए आहुत विशेष सत्र पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की महिलाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया. इसे लेकर विधानसभा में विशेष सत्र बुलाया गया है.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह जानकारी जशपुर के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में दी. उन्होंने बताया की सीएम हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली शिकायतों या फिर समस्याओं के निराकरण के लिए समय निर्धारित होगा. अगर तय समय पर शिकायत या समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी. छत्तीसगढ़ लिए आहुत विशेष सत्र पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की महिलाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है. प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया. इसे लेकर विधानसभा में विशेष सत्र बुलाया गया है।

कैदी की मौत, तबीयत बिगड़ने पर सिम्स हॉस्पिटल में कराया गया था भर्ती

बिलासपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सिम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 60 वर्षीय कैदी बच्चू झुठैल की मौत हो गई है. वह जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था. तबीयत बिगड़ने पर जेल से सिम्स लाया गया था. एक्सरे के लिए ले जाते समय अचानक उसकी हालत बिगड़ गई थी. इमरजेंसी में ले जाने पर डॉक्टरों ने कैदी को मृत घोषित कर दिया. सिविल लाइन थाने में मर्ग मेमो भेजा गया है. मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 08749/ 08750 रायपुर खड़गपुर रायपुर सुपरफास्ट समर स्पेशल 01-01 फेरे के लिए चलाई जा रही है. गाड़ी संख्या 08749 रायपुर खड़गपुर सुपरफास्ट समर स्पेशल 23 अप्रैल को 13.10 बजे रायपुर से रवाना होकर 14.00 बजे भाटापारा, 15.10 बजे बिलासपुर, 16.05 बजे चांपा, 17.15 बजे रायगढ़, 18.30 बजे झारसुगुड़ा, 20.05 बजे राउरकेला, 22.15 बजे चक्रधरपुर, 23.10 बजे टाटानगर, 1.30 बजे खड़गपुर पहुंचेगी. गाड़ी संख्या 08750 खड़गपुर रायपुर सुपरफास्ट समर स्पेशल 24 अप्रैल को 4.30 बजे खड़गपुर से रवाना होकर 6.30 बजे टाटानगर, 7.40 बजे चक्रधरपुर, 9.10 बजे राउरकेला, 11.18 बजे झारसुगुड़ा, 12.20 बजे रायगढ़ 13.25 बजे चांपा, 14.30 बजे बिलासपुर, 15.25 बजे भाटापारा, 17.15 बजे रायपुर पहुंचेगी.

दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 6.58 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बीजापुर जिले की दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 6 करोड़ 58 लाख 7 हजार रूपए स्वीकृति किए गए हैं। स्वीकृत कार्यों में भैरमगढ़ के कोडोली तालाब क्रमांक-एक के जीर्णोद्धार एवं नहर लाईनिंग कार्य के लिए 2 करोड़ 91 लाख 34 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह से भैरमगढ़ के ही मिरतुर तालाब के जीर्णोद्धार एवं तीन नग व्ही.आर.बी. निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 66 लाख 73 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण कराने के लिए मुख्य अभियंता गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग जगदलपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

गर्मी इतनी की हीट हेडेक का खतरा मंडराया

अतिआवश्यक काम होने पर ही घर से निकलने की सलाह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी तेजी से हो सकती है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के साथ-साथ ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी गई है। हल्के रंग के ढीले एवं सूती वस्त्र पहनना भी लाभदायक बताया गया है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पूर्व से बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता बताई गई है। नोडल अधिकारी, जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य ने जानकारी दी कि लू लगना एक चिकित्सकीय आपात स्थिति है, जो शरीर के अत्यधिक गर्म होने एवं तापमान नियंत्रण प्रणाली के प्रभावित होने के कारण होती है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार (40 डिग्री सेल्सियस या अधिक), लाल व गर्म त्वचा, पसीना कम आना, सिरदर्द, चक्कर, घबराहट, कमजोरी, उल्टी तथा अचेतावस्था शामिल हो सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इन दिनों हीट हेडेक यानी गर्मी से संबंधित सिरदर्द की समस्या भी बढ़ सकती है, जो डिहाइड्रेशन, अधिक धूप, इलेक्ट्रोलाइट की कमी, नींद की कमी और अधिक कैफीन सेवन के कारण होती है। स्वास्थ्य विभाग ने सलाह दी है कि लोग खाली पेट न रहें, समय पर भोजन करें, पर्याप्त नींद लें तथा कैफीनयुक्त पेयों का सेवन सीमित रखें। मजदूर, किसान, यात्री, ट्रैफिक कर्मी एवं फील्ड में कार्यरत

कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

यदि किसी व्यक्ति में लू के लक्षण दिखाई दें, तो उसे तुरंत छायादार स्थान पर लाकर ठंडा करने का प्रयास करें, ठंडे पानी की पट्टी रखें तथा होश में होने पर पानी या ओआरएस दें। गंभीर स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी बताया कि जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में लू से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक दवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध हैं। अंत में विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे स्वयं सतर्क रहें तथा अपने परिवार और आसपास के कमजोर वर्गों का विशेष ध्यान रखें। जागरूकता एवं सावधानी ही गर्मी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

ज्ञान शिखर : कौन बनेगा विजेता समर प्रतियोगिता 2026

छात्रों के लिए सुनहरा अवसर, जिले में सजेगा प्रतिभा का महाकुंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से जिले में卐ज्ञान शिखररू कौन बनेगा विजेता卐 शैक्षिक एवं कौशल आधारित समर प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार यह प्रतियोगिता विकासखंड एवं जिला स्तर पर आयोजित होगी, जिसमें शासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता का प्रथम चरण 27 अप्रैल 2026 को विकासखंड स्तर पर आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय से अधिकतम 2 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक विकासखंड से चयनित शीर्ष 8 प्रतिभागी जिला स्तर पर पहुंचेंगे। जिला स्तरीय ग्रैंड फिनाले 6 मई 2026 को प्रात: 8 बजे शासकीय

बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में आयोजित होगा, जिसमें कुल 24 प्रतिभागी भाग लेंगे।

प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और आत्मविश्वास का विकास करना है। इसमें भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं रखा गया है, किन्तु प्रतिभागियों को विद्यालय का पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। आवेदन केवल विद्यालय के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। विद्यालय स्तर पर चयन प्रक्रिया के तहत 20 बहुविकल्पीय प्रश्नों की लिखित परीक्षा (30 मिनट) आयोजित की जाएगी। प्रत्येक सही उत्तर पर 2 अंक तथा गलत उत्तर पर 0.5 अंक की कटौती होगी। शीर्ष 10 विद्यार्थियों को 'हॉट सीट' के लिए चुना जाएगा, जहां 'फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट' के माध्यम से अंतिम 2 प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें ब्लॉक स्तर हेतु नामांकित किया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर लगभग 50 से 60 प्रतिभागी शामिल होंगे। स्क्रीनिंग टेस्ट के बाद शीर्ष 25 छात्र 'हॉट सीट' तक पहुंचेंगे, जहां से सर्वश्रेष्ठ 8 प्रतिभागियों का चयन जिला स्तर के लिए किया जाएगा।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और आत्मविश्वास का विकास करना है। इसमें भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं रखा गया है, किन्तु प्रतिभागियों को विद्यालय का पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। आवेदन केवल विद्यालय के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। विद्यालय स्तर पर चयन प्रक्रिया के तहत 20 बहुविकल्पीय प्रश्नों की लिखित परीक्षा (30 मिनट) आयोजित की जाएगी। प्रत्येक सही उत्तर पर 2 अंक तथा गलत उत्तर पर 0.5 अंक की कटौती होगी।

सड़कों का मरम्मत कार्य की जा रही

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

– रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के विभिन्न मार्गो में ग्रीष्मकालीन ऋतु के दौरान पेयजल संकट की समस्या के त्वरित निदान के लिए व्यवहारिक रूप से आवश्यक होने पर विभिन्न मार्गो को पाईप लाईन वाले हिस्से मे खोदकर तत्काल सुधारकर उसकी प्राथमिकता से मरम्मत करवाने का कार्य नगर निगम रायपुर द्वारा किया जा रहा है ताकि नागरिको को श्रावागमन हेतु किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े। आज 20 अप्रैल 2026 को दैनिक समाचार पत्र में अच्छी सडको को पाईप लाईन बिछाने खोदकर कर रहे खराब शीर्षक से प्रकाशित समाचार को तत्काल सज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने संबंधित जोन 4 जोन कमिश्नर श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी को लाखे नगर मैदान के पास पाईप लाईन मरम्मत का आवश्यक कार्य होते ही जोन स्तर पर तत्काल प्राथमिकता से सडक सुधारने एवं सभी स्थानो पर पाईप लाईन की आवश्यक मरम्मत उपरात सडके सुधारने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरों को दिये है।

नगर निगम मुख्यालय में हाईड्रोलिक पजल कार पार्किंग सिस्टम वर्तमान में संचालित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा 15वें वित्त आयोग अंतर्गत नगर पालिक निगम मुख्यालय परिसर में हाईड्रोलिक पजल कार पार्किंग सिस्टम स्थापना का कार्य विगत दिनांक 16 फरवरी 2026 को पूर्ण कर लिया गया है.नियमानुसार बिजली कनेक्शन लेकर कार पार्किंग की टेस्टिंग की गयी है नियमानुसार बिजली कलेक्शन लेकर उक्त कार पार्किंग की टेस्टिंग की गयी है. वर्तमान में यह संचालित है.

विनोद गजभिये और उनके परिवार का पूर्वपेक्षा बेहतर हुआ जीवन

प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का मकान प्राप्त कर लाभान्वित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी -2-0 अंतर्गत बीएलसी (लाभार्थी आधारित निर्माण) घटक के अंतर्गत अशोक नगर गुढ़ियारी में प्राप्त पक्के मकान के लाभार्थी विनोद गजभिये बताते हैं कि पहले उनकी स्थिति अत्यंत साधारण थी. परिवार में वे अकेले कमाने वाले थे और तीन बच्चों के साथ जीवन चलाना बड़ी चुनौती था। खासकर बारिश के तीन महीने तो उनके लिए सबसे ज़्यादा कष्टदायक रहा करते थे. कच्चे घर में रहना, पानी का टपकना और हर समय डर बना रहना—सब कुछ बहुत कठिन सा लगता था.

विनोद गजभिये आगे कहते हैं,

लेकिन भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और उनकी केन्द्र सरकार की वजह से आज हमारा पक्का घर बन पाया।

अब हमारे पास अपनी छत है। विनोद गजभिये की बहू बताती हैं कि जब अपना घर पक्का बनता है, तो सिर्फ दीवारें नहीं बनतीं, बल्कि मन को भी सुकून मिलता है। अब हमें लगता है कि समाज में हमारी अहमियत बढ़ी है। लोग हमें अलग नजर से देखते हैं ।

वहीं विनोद गजभिये की बेटी अपनी खुशी साझा करते हुए कहती हैं , अब जब मैं नौकरी पर जाती हूँ, तो अपने दोस्तों को घर आने के लिए बुला पाती हूँ। पहले मुझे झिझक होती थी, लेकिन अब गर्व महसूस होता है। विनोद गजभिये केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ शासन और रायपुर नगर पालिक निगम का लोकहितकारी योजनाओं के लिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी सहित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि आज उनके बच्चों को छात्रवृत्ति मिल रही है।

रायपुर में कई जगह प्याऊ-कूलिंग शेल्टर शुरू, भीषण गर्मी को देखते प्रशासन ने की व्यवस्था

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर में लगातार बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सभी विभागों को तत्काल प्रभाव से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में येलो अलर्ट जारी करते हुए गरजङ्कचमक के साथ हल्की वर्षा की संभावना व्यक्त की है।

लू और हीट स्ट्रोक के मामलों से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में है। सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में ह्रञ्ज, जरूरी दवाओं और ढ्ढङ्क फ्लूड का स्टॉक बढ़ाया गया और अस्पतालों में इमरजेंसी व्यवस्था को मजबूत किया गया, डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को हीट स्ट्रोक से निपटने विशेष निर्देश। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कई जिलों में आगामी दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार प्रदेश के मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है, जिसके चलते कुछ क्षेत्रों में गरजङ्कचमक के साथ हल्की वर्षा की संभावना जताई गई है। पूर्वानुमान के अनुसार तापमान में मामूली गिरावट भी देखी जा सकती है, जिससे गर्मी के तीखे प्रभाव में थोड़ी राहत मिल सकती है।

जिला प्रशासन हाई अलर्ट मोड में

भीषण गर्मी के बीच रायपुर में आम जनता को राहत देने प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन में प्याऊ की व्यवस्था भीड़भाड़ वाले बाजारों में पेयजल केंद्र सक्रिय शहर के प्रमुख स्थानों पर कूलिंग शेल्टर तैयारग हीट स्ट्रोक रोकने स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग चौकन्ने रहें और राहत सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें।

उप मुख्यमंत्री ने की नगर निगमों व पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में दिन भर चली बैठक में शहरों में पेयजल आपूर्ति की समस्याओं, अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण पर नाराजगी जाहिर करते हुए इनके निराकरण के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने पेयजल आपूर्ति की लगातार आ रही शिकायतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा अगले वर्ष तक सभी नगर निगमों में जल संकट का स्थाई समाधान निकालें। शहरों में केवल बजट खर्च करने के उद्देश्य से काम न करें। पेयजल समस्या की शिकायतों पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री ने धमतरी में पेयजल योजना के काम में लेटलतीफी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यपालन अभियंता को निलंबित करने तथा ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए।

नगर निगमों और नगर पालिकाओं की आज दो अलग-अलग हुई समीक्षा बैठकों में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक आर. एक्का और राज्य शहरी विकास

अभिकरण के सीईओ शशांक पाण्डेय सहित सभी नगर निगमों के कमिश्नर, नगर पालिकाओं के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, वरिष्ठ अभियंता एवं नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों संभागीय क्षेत्रीय कार्यालयों के संयुक्त संचालक भी बैठक में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समीक्षा बैठक में नगर निगमों और नगर पालिकाओं के अधिकारियों को शहरों की जरूरत के मुताबिक कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकायों की व्यवस्था और छवि सुधारने सक्रियता व गंभीरता से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि नगर निगम ऐसा काम करें जिससे राज्य की नगर पालिकाएं प्रेरणा ले सकें और नगर पालिका इस तरह से काम करें जिनसे नगर पंचायतें प्रेरित हो सकें। उन्होंने निकायों के अभियंताओं से कहा कि काम की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें नहीं आना चाहिए।

शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय वायुसेना के स्काड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती दिनांक 23 अप्रैल 2026 गुरूवार को प्रात: 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर पालिक निगम सामान्य सभा सभागार में स्थित शहीद अरुण केशव सप्रे के तैल चित्र के समक्ष उनका सादर ससम्मान नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। भारत और पाकिस्तान के मध्य वर्ष 1971 में हुए युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के लिए युद्धाभ्यास की तैयारियों की ड्यूटी पर भारतीय वायुसेना के युद्धक विमान मारूत की युद्धाभ्यास तैयारी करवाने के दौरान आकस्मिक युद्धक विमान दुर्घटना में भारतीय वायुसेना के स्काड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे का आकस्मिक देवलोकगमन हो गया. रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की मधुर पुण्य स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने रायपुर नगर पालिक निगम ने नगर निगम सामान्य सभा सभागार में उनका तैल चित्र लगाया और तैल चित्र के समक्ष शहीद अरुण केशव सप्रे की जयन्ती दिनांक 23 अप्रैल और पुण्यतिथि दिनांक 21 नवम्बर को हर वर्ष नियमित रूप से रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. दिनांक 23 अप्रैल 2026 प्रशासनिक व्यवस्थायें रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 4 के सहयोग से की जायेंगी।

सम्पादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मन:स्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद ज़ॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता।

विश्व पृथ्वी दिवस पर विशेष...

धधकती धरती, विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई।

योगेश कुमार गोयल।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

स्वस्थ बचपन से सशक्त छत्तीसगढ़ की ओर ठोस पहल

बच्चों का भविष्य हमारी थाली में... पोषण, परवरिश और जीवनशैली का समग्र दृष्टिकोण

नमिता पाण्डेय
(पोषण सलाहकार, यूनिसेफ)

रायपुर। आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं। छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पारंपरिक आहार: समाधान की मजबूत नींव

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुन: रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

पोषण से आगे: समग्र विकास की जिम्मेदारी : बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है।

पहले 1,000 दिन : भविष्य की नींव : वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहाँ मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं।

'7 स्टार भोजन थाली' : संतुलित पोषण का सरल मॉडल: '7 स्टार भोजन थाली' एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें विभिन्न पोषक तत्वों अतिरिक्त कैलोरी प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, तरल पदार्थ और विटामिन की पर्याप्त मात्रा का समावेश कर माँ और बच्चे दोनों के लिए आवश्यक पोषण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएँ न केवल माँ को प्रभावित करती हैं, बल्कि बच्चे के जन्म के समय वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मस्तिष्क विकास पर भी गहरा असर डालती हैं।

आदतों में बदलाव से बनेगा बेहतर कल

पोषण पखवाड़ा हमें यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य कोई सीमित समय का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर विकसित होने वाली संस्कृति है। यह संस्कृति हर घर की रसोई, हर स्कूल के टिफिन और हर मोहल्ले के खेल मैदान में विकसित होती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी प्राथमिकताओं को बदलें मोबाइल से मैदान की ओर, जंक फूड से पारंपरिक आहार की ओर और लापरवाही से जागरूकता की ओर। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही सशक्त छत्तीसगढ़ और समृद्ध भारत की सबसे मजबूत नींव है।

ट्रैक से संसद तक : क्यों भारत के भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को करना चाहिए

डॉ. पी टी ऊषा
(राज्यसभा सांसद, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ, भारत की अध्यक्ष)

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी जरुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है। यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023-नारी शक्ति वंदन अधिनियम—केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक जरुरी कदम है।

खेलों ने हमें क्या सिखाया है

जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है। पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। वे एक ऐसी व्यवस्था का परिणाम हैं, जिसने धीरे-धीरे ही सही, पहुंच को व्यापक बनाना शुरू किया। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है। सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं।

हर भारतीय के लिए बेहतर शासन

भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है। ये महज 'महिलाओं के मुद्दे' नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं। इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है। यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है।

प्रतिनिधित्व का आर्थिक महत्व : भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है। विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है। अधिक समावेशी संसद न केवल एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी है।

सुरक्षा, गरिमा और भागीदारी

भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो। शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है।

प्रतिनिधित्व और आकांक्षाओं की शक्ति

भारत में सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है।जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है। आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है। भारत की महिलाओं ने खेल जगत, सशस्त्र बलों, विमानन और व्यावसायिक पदों पर पहले ही कई बाधाओं को पार कर लिया है। विधायी प्रतिनिधित्व इस यात्रा का स्वाभाविक अगला कदम है।

अब है कार्यवाही का वक्त : राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरुरत है। भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता। आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता, न ही आधी आवाज पर सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। आगे का रास्ता साफ है। सवाल यह है कि क्या हम उस पर चलने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

सुशासन तिहार 2026-जनता की हर समस्या का निपटारा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार 2026 का आयोजन शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर राज्य में विकास की गति को तेज करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। जन शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुशासन की आधारशिला है और आम नागरिकों को पारदर्शी, सरल और जल्द सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सुशासन तिहार 2026

मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि 1 मई से 10 जून तक प्रदेशभर में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह पर और शहरी क्षेत्रों में वार्डों के क्लस्टर के आधार पर ये शिविर लगाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई जा सके।

शिविरों में मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभ

इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी और पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आवेदकों को अनिवार्य रूप से दी जाएगी जानकारी

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि हर आवेदक को उसके आवेदन के निराकरण की जानकारी अनिवार्य रूप से दी जाए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों का प्रशासन पर भरोसा मजबूत होगा।

30 अप्रैल तक लंबित मामलों के निपटारे के निर्देश

सुशासन तिहार के पहले मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को 30 अप्रैल तक विभिन्न लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए हैं। इनमें भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन, मनरेगा के तहत लंबित मजदूरी का भुगतान, आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र जारी करना शामिल है।

बिजली, पानी और सामाजिक योजनाओं पर विशेष ध्यान

इसके अलावा बिजली संबंधी शिकायतों का समाधान, हैंडपंपों की मरम्मत, उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है। समाधान शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन प्रपत्र भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अभियान में सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री स्वयं शिविरों में उपस्थित रहकर आमजन से संवाद करेंगे, और विकास कार्यों व योजनाओं से मिल रहे लाभ का फीडबैक लेंगे। साथ ही औचक निरीक्षण के माध्यम से चल रहे निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

जंगल में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 52 आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

वनमंत्री केदार कश्यप की मंशानुसार वन क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध संचालित

महासमुंद (प्रतिदिन राजधानी)

वनमंत्री केदार कश्यप की मंशानुसार वन क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध संचालित अभियान के अंतर्गत 20 अप्रैल को वनमंडल महासमुंद के बागबहरा परिक्षेत्र अंतर्गत आमाकोनी सर्किल, तमोरा बीट के कक्ष क्रमांक 95 एवं 96 (आरक्षित वन) में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान पाया गया कि ग्राम तमोरा के कुछ व्यक्तियों द्वारा लगभग 94 हेक्टेयर आरक्षित वनभूमि पर अवैध अतिक्रमण करते हुए हरे-भरे एवं मूल्यवान वृक्षों की अवैध कटाई की गई तथा कृषि प्रयोजन हेतु भूमि पर अनधिकृत कब्जा स्थापित करने के उद्देश्य से व्यापक खुदाई/जुताई की गई थी। साथ ही, वनभूमि की सीमा निर्धारण हेतु स्थापित सीमेंट-कांक्रीट निर्मित मुनारों (सीमा चिन्हों) को तोड़ा/क्षतिग्रस्त किया गया। इन अवैध गतिविधियों के परिणामस्वरूप मूल्यवान वृक्ष प्रजातियों एवं औषधीय जड़ी-बूटियों को भारी क्षति पहुँची है, जो कि पूर्णतः विधि-विरुद्ध एवं दंडनीय अपराध है। उक्त प्रकरण में संबंधित

अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 26(1)(च), 26(1)(ज) तथा लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1984 की धारा 3(1) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्यवाही की गई। कुल 52 आरोपियों जिसमें 12 महिला एवं 40 पुरुष को गिरफ्तार कर जिला न्यायालय महासमुंद में प्रस्तुत किया गया, जहां से सभी आरोपियों को जेल भेजा गया।मुख्य वन संरक्षक एवं वनमंडलाधिकारी मयंक पांडेय ने कहा है कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण अथवा अवैध गतिविधि किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्यवाई निरंतर जारी रहेगी।

बढ़ते कदम संजीवनी वृद्धाश्रम के नए भवन हेतु भूमि पूजन,कन्याओं के हाथों से संपन्न हुआ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संस्था बढ़ते कदम के ,अध्यक्ष मुकेश सचदेव , उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश मध्यानी एवं मीडिया प्रभारी राजू झमनानी ने बताया की

कोटा रोड, गुढियारी स्थित संजीवनी वृद्धाश्रम में जँहा 30 बुजुर्गो के रहने की व्यवस्था है 18 वर्षो में 72 बुजुर्गो की घर वापसी व 36 बुजुर्गो की मृत्यु पर्यन्त सेवा के सफर को किराए के भवन में पूरा करने के पश्चात बढ़ते कदम संजीवनी वृद्धाश्रम के बुजुर्गो के नए आशियाने का भूमि पूजन माता स्वरूप कन्याओं के शुभ हाथों से संपन्न हुवा. संजीवनी वृद्धाश्रम 9500 वर्गफिट के भूखंड में भूतल पर गार्डन, पर्किंग, सीढ़ी, लिफ्ट प्रथम तल पर रसोई घर, भोजन कक्ष, महिला बुजुर्गो का रहवास द्वितीय तल पर मल्टिपरपस हॉल के साथ पुरुष बुजुर्गो का रहवास तृतीय तल निर्धन वर्ग हेतु छात्रावास प्रभारियों ने बताया कि वृद्धाश्रम में

रहने वाले समस्त वरिष्ठ नागरिकों का मेडिकल परिक्षण, विषेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह नियमित रूप से ली जाती है। उनके स्वास्थ्य को देखते हुए खान-पान, कपड़ो की साफ-सफाई, साप्ताहिक चादर व तकिया कवर बदलने के साथ ही साथ साफ व स्वच्छ वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया जाता हैं। संस्था बढ़ते कदम संजीवनी वृद्धाश्रम के प्रभारी सुनील छतवानी, सुनील पेशवानी एवम बसंत रोहरा जी ने बताया कि

वृद्धाश्रम का उद्देश्य

एक प्राचीन कहावत है कि कलयुग में एक ऐसा समय आएगा जब एक कुएं के पानी से चार कुओं को भरा जा सकेगा, लेकिन उन्ही चार कुओं के पानी से उस एक कुएं को नहीं भरा जा सकेगा। अर्थात एक मां बाप चार बच्चों का पेट भर लेगें लेकिन चार बच्चे मिलकर अपने मां-बाप का पेट नहीं भर पाएंगे। आजकल अवकाश ग्रहण के बाद जीवन के कठिन संघर्ष के दौरान कार्य करने की अवधि 25 से 60 वर्ष तक होती है।

कोरबा-बेंगलुरु के मध्य चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान कोरबाङ्क्यलहंका(बेंगलुरु)ङ्ककोरबा के मध्य यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये 01-01 फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 08261 कोरबा- यलहंका(बेंगलुरु) समर स्पेशल ट्रेन कोरबा से 02 मई 2026 को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)कोरबा समर स्पेशल ट्रेन यलहंका से 03 मई 2026 को चलेगी। कोच संरचना इस गाड़ी में 02 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 10 स्लीपर, 04 एसी-III सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

गाड़ी का समय-सारिणी

गाड़ी संख्या 08261 कोरबा-यलहंका(बेंगलुरु) समर स्पेशल ट्रेन 02 मई 2026 को कोरबा से 09.00 बजे रवाना होगी तथा चांपा आगमन 10.00 बजे, प्रस्थान 10.02 बजे, बिलासपुर आगमन 10.50 बजे, प्रस्थान 11.00 बजे, भाटापारा आगमन 11.38 बजे, प्रस्थान 11.40 बजे, रायपुर आगमन 12.45 बजे, प्रस्थान 12.50 बजे, दुर्ग आगमन 14.20 बजे, प्रस्थान 14.25 बजे, राजनादगाँव आगमन 14.48 बजे, प्रस्थान 14.50 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 15.13 बजे, प्रस्थान 15.15 बजे, गोंदिया आगमन 16.25 बजे, प्रस्थान 16.35 बजे, वडसा आगमन 17.57 बजे, प्रस्थान 17.59 बजे, चांदाफोर्ट आगमन 19.43 बजे, प्रस्थान 19.45 बजे, बल्लारशाह आगमन 20.20 बजे, प्रस्थान 20.30 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 21.30 बजे, प्रस्थान 21.32 बजे, मंचिर्याल आगमन 22.10 बजे, प्रस्थान 22.12 बजे, काजीपेट आगमन 23.45 बजे, प्रस्थान 23.47 बजे तथा दूसरे दिन चर्लपल्ली आगमन 02.00 बजे, प्रस्थान 02.02 बजे, सिकंदराबाद आगमन 02.20 बजे, प्रस्थान 02.30 बजे, लिंगमपल्ली 03.15 बजे, प्रस्थान 03.17 बजे, विकाराबाद आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, तांडूर आगमन 04.50 बजे, प्रस्थान 04.52 बजे, यादगीर आगमन 07.08 बजे, प्रस्थान 07.10 बजे, कृष्णा जंक्शन आगमन 07.40 बजे, प्रस्थान 07.50 बजे, रायचूर आगमन 08.08 बजे, प्रस्थान 08.10 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 08.28 बजे, प्रस्थान 08.30 बजे, गुंटकल आगमन 10.30 बजे, प्रस्थान 10.40 बजे, गुत्ती आगमन 11.13 बजे, प्रस्थान 11.15 बजे, अनंतपुर आगमन 14.13 बजे, प्रस्थान 14.15 बजे, धर्मवरम आगमन 15.05 बजे, प्रस्थान 15.10 बजे तथा 19.00 बजे यलहंका स्टेशन पहुंचेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)-कोरबा समर स्पेशल ट्रेन 03 मई 2026 को यलहंका से 21.00 बजे रवाना होगी तथा दूसरे दिन धर्मवरम आगमन 01.15 बजे, प्रस्थान 01.20 बजे, अनंतपुर आगमन 01.53 बजे, प्रस्थान 01.55 बजे, गुत्ती आगमन 02.38 बजे, प्रस्थान 02.40 बजे, गुंटकल आगमन 03.30 बजे, प्रस्थान 03.40 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 04.58 बजे, प्रस्थान 05.00 बजे, रायचूर आगमन 05.28 बजे, 05.30 बजे, कृष्णा जंक्शन आगमन 06.00 बजे , प्रस्थान 06.10 बजे, यादगीर आगमन 06.38 बजे, प्रस्थान 06.40 बजे, तांडूर आगमन 08.38 बजे, प्रस्थान 08.40 बजे, विकाराबाद आगमन 09.43 बजे, प्रस्थान 09.45 बजे, लिंगमपल्ली आगमन 10.30 बजे, प्रस्थान 10.32 बजे, सिकंदराबाद आगमन 11.10 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, चर्लपल्ली आगमन 11.30 बजे, प्रस्थान 11.32 बजे, काजीपेट आगमन 13.20 बजे, प्रस्थान 13.22 बजे, मंचिर्याल आगमन 14.50 बजे, प्रस्थान 14.52 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 15.38 बजे, प्रस्थान 15.40 बजे, बल्लारशाह आगमन 20.30 बजे, प्रस्थान 20.40 बजे, चांदाफोर्ट आगमन 20.52 बजे, प्रस्थान 20.54 बजे, वडसा आगमन 22.28 बजे, प्रस्थान 22.30 बजे, तीसरे दिन गोंदिया आगमन

00.05 बजे, प्रस्थान 00.15 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 01.12 बजे, प्रस्थान 01.14 बजे, राजनादगाँव आगमन 01.37 बजे, प्रस्थान 01.39 बजे, दुर्ग आगमन 02.45 बजे, प्रस्थान 02.50 बजे, रायपुर आगमन 03.25 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, भाटापारा आगमन 04.14 बजे, प्रस्थान 04.16 बजे, बिलासपुर आगमन 05.30 बजे, प्रस्थान 05.40 बजे, चांपा आगमन 06.30 बजे, प्रस्थान 06.32 बजे तथा 08.00 बजे कोरबा स्टेशन पहुंचेगी।

स्वस्थ बचपन से सशक्त छत्तीसगढ़ की ओर ठोस पहल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

। आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

पारंपरिक आहार समाधान की मजबूत नींव

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुनः रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

पोषण से आगे- समग्र विकास की जिम्मेदारी

बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है।

पहले 1,000 दिन- भविष्य की नींव

वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहाँ मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं।

7 स्टार भोजन थाली एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है।

व्यापम की परीक्षाएं अब सुबह 10 बजे से, दिशा निर्देश जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश में बढ़ते तापमान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा विभिन्न परीक्षाओं के लिये समय प्रातः 10 से 12-15बजे तक निर्धारित किया गया है। आगामी 26 अप्रैल 2026 को व्यापम द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 में भी यही समय लागू होगा।

जारी दिशा निर्देश अनुसार परीक्षार्थी, परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो।परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके।अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार 9.30 बजे बंद कर दिया जायेगा, इसके बाद अभ्यर्थियों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित होगा। हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर

परीक्षा देना होगा। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी।फुटवियर के रूप में चप्पल पहनना होगा,कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है।परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी।परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र में केवल काले या नीले बॉल पांइट पेन का ही उपयोग करना है।

आद्रा जंक्शन से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के मध्य एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

यात्रियों की सुविधा हेतु एक फेरे के लिए गाड़ी संख्या 02830 आद्रा जंक्शन से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के मध्य एक फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है।यह ट्रेन दिनांक 21 अप्रैल 2026 को आगरा जंक्शन से 5-00 बजे रवाना होकर 7-00 बजे बोकारो स्टील सिटी, 8-00 बजे मुरी 9-20 बजे रांची, 9-50 बजे हटिया, 13-30 बजे राउरकेला, 15-13 बजे झारसुगुड़ा, 16-20 बजे रायगढ़, 19-00 बिलासपुर, 20 -40 बजे रायपुर, 21-35 बजे दुर्ग, 23-25 बजे गोंदिया, 01-35 बजे नागपुर, 02-45 बजे वर्धा, 04-10 बजे बडनेरा, 05-10 बजे अकोला, 07-10 बजे भुसावल, 09- 50 बजे मनमाड, 10- 55 बजे नासिक रोड, 13-50 बजे

कल्याण, 14- 35 बजे दादर सेंट्रल, 15-15 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

खड़गपुर- पुणे के मध्य 01 फेरे के लिए समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा यात्रियों की सुविधा हेतु 01 फेरे के लिए गाड़ी संख्या 02827 खड़गपुर से पुणे के लिए दिनांक 21 अप्रैल 2026 को खड़गपुर से 10-00 बजे रवाना होकर टाटानगर चक्रधरपुर, राउरकेला होते हुए 15-58 बजे झारसुगुड़ा, 17.00 बजे रायगढ़, 19.00 बजे बिलासपुर, 20.40 बजे रायपुर, 21.45 बजे दुर्ग, 23-05 बजे गोंदिया, 01.40 बजे नागपुर, बडनेरा, अकोला भुसावल होते हुए अगले दिन पुणे 17-30 बजे पहुंचेगी।इस स्पेशल गाड़ी में 02 एसएलआरडी, 04 सामान्य श्रेणी, 12 स्लीपर, 01 एसी थ्री, 01 एसी टू सहित कुल 20 (ICF) कोच शामिल हैं।

रायपुर में 159 वारंटी गिरफ्तार, पुलिस ने चलाया धरपकड़ ऑपरेशन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पुलिस कमिश्नरेट सेंट्रल जोन के डीसीपी सेंट्रल जोन उमेश गुप्ता के निर्देश पर फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वर्तमान सप्ताह के दौरान पुलिस टीमों ने सघन अभियान चलाते हुए 38 गिरफ्तारी वारंट एवं 25 स्थायी वारंट तामील करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भी सेंट्रल जोन पुलिस द्वारा उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 52 गिरफ्तारी वारंट तथा 44 स्थायी वारंट तामील किए गए थे। इस प्रकार दो सप्ताह में 90 गिरफ्तारी और 69 स्थायी वारंटियों कुल 159 वारंटियों (स्थायी + गिरफ्तारी) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। इस कार्यवाही में लंबे समय से फरार चल रहे कई वारंटी भी पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। फरार वारंटियों की गिरफ्तारी से न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों के निराकरण तथा अपराध नियंत्रण में प्रभावी मदद मिलेगी ।यह अभियान सतत जारी रहेगा।गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भी सेंट्रल जोन पुलिस द्वारा उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 52 गिरफ्तारी वारंट तथा 44 स्थायी वारंट तामील किए गए थे। इस प्रकार दो सप्ताह में 90 गिरफ्तारी और 69 स्थायी वारंटियों कुल 159 वारंटियों (स्थायी + गिरफ्तारी) को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

इस कार्यवाही में लंबे समय से फरार चल रहे कई वारंटी भी पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। फरार वारंटियों की गिरफ्तारी से न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों के निराकरण तथा अपराध नियंत्रण में प्रभावी मदद मिलेगी ।यह अभियान सतत जारी रहेगा।

जिला शिक्षा विभाग ने इस प्राइवेट स्कूल को बंद करने जारी किया आदेश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिले से शिक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी कार्रवाई की खबर सामने आई है। यहां बिना मान्यता के संचालित एक निजी स्कूल के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जानकारी के अनुसार, मदगुरी क्षेत्र में चल रहे अजीजी पब्लिक स्कूल को बंद करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई तब की गई जब अधिकारियों ने जांच में पाया कि स्कूल आवश्यक मान्यता के बिना ही संचालित हो रहा था, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा विभाग ने न सिर्फ स्कूल को बंद करने का निर्देश दिया, बल्कि संचालकों पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्कूल की स्थिति, दस्तावेज और मान्यता से जुड़े कागजातों की पड़ताल की थी। जांच में अनियमितताएं सामने आने के बाद यह सख्त फैसला लिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा के क्षेत्र में नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर इलाके में चर्चा तेज हो गई है। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि आगे भी ऐसे संस्थानों की पहचान कर कार्रवाई जारी रहेगी, जो बिना वैध अनुमति के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला शिक्षा विभाग ने न सिर्फ स्कूल को बंद करने का निर्देश दिया, बल्कि संचालकों पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्कूल की स्थिति, दस्तावेज और मान्यता से जुड़े कागजातों की पड़ताल की थी। जांच में अनियमितताएं सामने आने के बाद यह सख्त फैसला लिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा के क्षेत्र में नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर इलाके में चर्चा तेज हो गई है। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि आगे भी ऐसे संस्थानों की पहचान कर कार्रवाई जारी रहेगी, जो बिना वैध अनुमति के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

पुलिस ने लाखों के गुम मोबाइल लौटाए

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव जिले में गुम मोबाइलों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 22 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए हैं। इनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल के निर्देश पर साइबर सेल को गुम मोबाइलों की खोज की जिम्मेदारी दी गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा और उप पुलिस अधीक्षक (साइबर सेल) नरेंद्र पुजारी के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी सौरभ उपाध्याय के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की।

बरामद मोबाइल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ ओडिशा से भी प्राप्त किए गए हैं। इनमें आईफोन, वनप्लस, वीवो, रेडमी और सैमसंग कंपनियों के मोबाइल शामिल हैं।

मोबाइल लौटाते समय पुलिस ने उपयोगकर्ताओं को सावधानी बरतने की सलाह दी और उपयोग से पहले फोन को फॉर्मेट करने की बात कही। कई लोगों ने मोबाइल मिलने पर पुलिस का आभार जताया।

साइबर सेल द्वारा अब तक 1800 से अधिक गुम मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों तक पहुंचाए जा चुके हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग एक करोड़ रुपए आंकी गई है।

पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को अन्य का मोबाइल मिले तो उसे नजदीकी थाने में जमा करें। बिना बिल के मोबाइल खरीदने से बचें।

खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देंगे सचिन - कलेक्टर

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

जिला प्रशासन द्वारा आगामी बुधवार को मुख्यमंत्री और सचिन तेंदुलकर के संक्षिप्त प्रवास की औपचारिक जानकारी दी गई। इस दौरान कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव द्वारा सीएम और सचिन तेंदुलकर के दौरे कीजानकारी दी गई।

इस दौरान श्री ध्रुव ने बताया कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जगदलपुर से सड़क मार्ग द्वारा बारसूर के छिंदनार पहुंचेंगे। उक्त स्थान पर सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मानदेशी फाउंडेशन द्वारा खेलों हेतु ट्रैक का निर्माण कराया गया है। वर्तमान में फाउंडेशन द्वारा 25 खेल ट्रैकों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

श्री तेंदुलकर द्वारा इस दौरान छात्रों और खिलाड़ियों से संवाद किया जएगा। इस दौरान पूर्व क्रिकेटर फाउंडेशन के कार्यों की समीक्षा करेंगे। उक्त कार्यक्रम सार्वजनिक नहीं होगा। क्रिकेट स्टेडियम में देंगे मार्गदर्शन

कलेक्टर ने जानकारी में बताया कि भारत रत्न सचिन तेंदुलकर शिक्षा नगरी जावंगा के क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों से मुखातिब होंगे। वे तकनीकी बिंदुओं पर विशेष मार्गदर्शन करेंगे। जिस खेल प्रतिभाओं का भविष्य उज्जवल हो सके।

ऑडिटोरियम में होगा सम्मान

शिक्षा नगरी के ऑडिटोरियम में खेल प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इससे उनका मनोबल ऊंचा हो सके। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में है। प्रशासन द्वारा जन सामान्य से समय से पूर्व पहुंचने की अपील की गई है। जिससे कार्यक्रम में सुविधा पूर्वक शिरकत कर सकें।

बस्तर में सोशल मीडिया क्रिएटर्स मीट

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

डिजिटल डेमोक्रेसी डायलॉग के तहत बस्तर संभाग में रविवार को पुलिस विभाग के शौर्य भवन में सोशल मीडिया क्रिएटर्स मीट का आयोजन किया गया। इसमें देशभर के यूट्यूबर्स, इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स शामिल हुए।

कार्यक्रम में बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी और कलेक्टर आकाश छिकारा ने क्रिएटर्स से संवाद किया। उन्होंने बस्तर की पूर्व स्थिति और वर्तमान में हो रहे बदलावों की जानकारी दी। साथ ही पर्यटन, परिवहन व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियों, आदिवासी संस्कृति, बस्तर दशहरा, हस्तशिल्प और प्राकृतिक स्थलों के बारे में विस्तार से बताया।

आईजी ने क्षेत्र में पहले नक्सल गतिविधियों के प्रभाव, उससे विकास पर पड़े असर और वर्तमान स्थिति पर जानकारी साझा की। साथ ही नक्सल प्रभाव कम होने के बाद उभरती संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में क्रिएटर्स ने अपने प्रश्न और सुझाव अधिकारियों के सामने रखे, जिनका समाधान किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सुकमा के सीईओ मुकुंद ठाकुर, जिला पंचायत बीजापुर की सीईओ नम्रता चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक अखिलेश ने पूरा किया 100वां रक्तदान, गर्भवती की बचाई जान

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए नगर के स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम स्कूल के शिक्षक अखिलेश गायधने ने अपना 100वां रक्तदान पूरा किया। रविवार देर रात बाजारपारा निवासी एक गर्भवती को बी पॉजिटिव रक्त की अत्यंत आवश्यकता की जानकारी मिलते ही वे तुरंत अपने परिवार के साथ जिला अस्पताल पहुंचे।

रात करीब 10 बजे उन्होंने रक्तदान कर महिला की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। समय पर मिले रक्त की मदद से महिला ने सुरक्षित रूप से एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। इस सराहनीय कार्य के लिए परिजनों ने अखिलेश गायधने सहित सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर अखिलेश गायधने ने नगरवासियों से अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा जीवनदान है, जो किसी की जिंदगी बचा सकता है।

कृषि सेवा केंद्रों के निरीक्षण में मिलीं अनियमितता, नोटिस

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

आदिम जाति सहकारी समिति मर्यादित सोनाबाल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्था में कई अनियमितताएं पाई गईं। समिति में एक ही पीओएस मशीन से विक्रय किया जा रहा था तथा कृषकों को प्राप्त उर्वरक में भिन्नता पाई गई। इसके अलावा बोर्ड पर स्कंध एवं मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं किया गया था, स्कंध पंजी का संधारण नहीं किया जा रहा था, मांगी गई आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई तथा उर्वरक विक्रय का प्राधिकार पत्र भी उचित स्थान पर प्रदर्शित नहीं पाया गया।

उक्त अनियमितताओं के संबंध में संबंधित संस्था को कारण बताओ सूचना जारी करते हुए तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इसी प्रकार शुक्रवार को विकासखंड बड़ेराजपुर अंतर्गत साधु कृषि सेवा केंद्र, गम्हरी का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 1060 बैग यूरिया का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ-1985) के तहत कार्रवाई करते हुए भंडारित उर्वरक को जब्त कर संबंधित संस्था को सुपुर्दगी में दिया गया है। प्रकरण को आवश्यक कार्रवाई हेतु कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

साथ ही संस्था द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का पालन नहीं किया जाना गंभीर उल्लंघन पाया गया। इस पर कारण बताओ सूचना जारी करते हुए जवाब मांगा गया है तथा प्राधिकार पत्र निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है।

जीवन दीप समिति की बैठक, प्रस्तावों का अनुमोदन

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेण्डी की अध्यक्षता में शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माकड़ी में जीवन दीप समिति की सामान्य सभा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, जनपद पंचायत अध्यक्ष जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य रदमा बघेल, भगवती नेताम उपस्थित रहे।

बैठक में विधायक ने क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण बनाने पर विशेष जोर देते हुए अस्पताल की व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान विधायक ने अस्पताल में जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने, सोलर सिस्टम में सुधार करने तथा अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं उनके मानदेय में वृद्धि के संबंध में भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में गत वर्ष की आय-व्यय की विस्तृत समीक्षा की गई तथा इस वर्ष के लिए प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी सहित समिति के सदस्यगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान

दूरस्थ गांवों तक पहुंच रहीं टीमें, सघन स्वास्थ्य जांच जारी

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत जिले में सघन स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत परिवार के प्रत्येक सदस्य का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें जिले के गांव-गांव पहुंचकर लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के दूरस्थ गांवों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के साथ रूरल मोबाईल मेडिकल यूनिट और रेडक्रॉस मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही है, जिसमें सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है। जिले के ग्राम पेरमापाल, कीलम, बेचा, टिमनार जैसे दूरस्थ अंचलों के गांवों में पहुंचकर स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की।

अभियान के दौरान टीबी, मलेरिया, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, मधुमेह, कैंसर, मोतियाबिंद, सिकल सेल एवं एनीमिया जैसी बीमारियों की जांच की जा रही है। साथ ही गर्भवती महिलाओं की पहचान भी की जा रही है। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान मरीजों को मौके पर ही आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा गंभीर या जोखिम वाले मामलों को बेहतर जांच एवं उपचार के लिए रेफर किया जा रहा है।

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा रैकेट का मास्टरमाइंड नागपुर से गिरफ्तार

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

हाईटेक ऑनलाइन आईपीएल सट्टा रैकेट का मास्टर माइंड को राजनांदगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया। सांई ऐप बनवाकर सट्टे की आईडी बेचने वाला मुख्य फरार आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मोहारा नाला के पास संचालित हाईटेक ऑनलाइन सट्टा रैकेट का पूर्व में खुलासा कर 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रकरण में फरार चल रहे मुख्य आरोपी सादिक खान 34 वर्ष निवाासी मानकापुर पागलखाना चौक थाना मानकापुर जिला नागपुर महाराष्ट्र जो सांई ऐप में सट्टा आईडी बनाकर बेचता था, को नागपुर से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

आरोपी सांई ऐप में सट्टा आईडी एवं पासवर्ड संचालित करने के बदले 5 से 10 हजार रुपए तक वसूलता था। आरोपी पिछले लगभग 2 वर्ष से ऑनलाइन सट्टे के लिए सांई ऐप में आईडी एवं पासवर्ड संचालित करने का काम कर रहा था। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन तथा एएसपी कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो के मार्गदर्शन में साइबर सेल राजनांदगांव एवं थाना बसंतपुर की संयुक्त टीम द्वारा 6 अप्रैल को आईपीएल क्रिकेट सट्टे के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई करते हाईटेक ऑनलाइन सट्टा रैकेट का खुलासा किया गया था।

इस दौरान आधा दर्जन आरोपी वीरू प्रजापति, रूपेश पाण्डे, आयुष मेश्राम, मोहित देवांगन, लक्की उर्फ नरेन्द्र देवांगन एवं मूलचंद प्रजापति को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लैपटॉप, मोबाइल, चार्जर, नगदी रकम एवं सट्टा-पट्टी सहित लगभग 5 लाख 50 हजार रुपए मूल्य की सामग्री जब्त कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। प्रकरण के मुख्य फरार आरोपी सादिक खान की लगातार पतासाजी की जा रही थी। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसके नागपुर में होने की पुख्ता सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के विशेष निर्देश पर थाना बसंतपुर एवं साइबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम गठित कर आरोपी की तलाश में रवाना किया गया।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी को नागपुर से हिरासत में लेकर राजनांदगांव लाया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सांई ऐप में सट्टा आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराने के नाम पर 5 से 10 हजार रुपए तक लेता था तथा ऐप में तकनीकी त्रुटि आने पर उसे ठीक करने के नाम पर 2 से 3 हजार रुपए फोन-पे एवं क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त करता था। आरोपी के कब्जे से एप्पल कंपनी का 01 नग मोबाइल जब्त किया गया है। इस मामले में थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 151/2026 धारा 6, 7, 8 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम तथा 318(4), 112(2) भारतीय न्याय संहिता एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट प्राप्त होने पर जेल भेजा गया।

नदी में डूबने से दो भाइयों की मौत

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत शिवनाथ नदी में रविवार शाम नहाने गए दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों आपस में भाई थे।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी नवीन राजपूत ने बताया कि कैलाश नगर निवासी मोहम्मद फैजाल (21 वर्ष) व उनके छोटे भाई मोहम्मद इशांत (13 वर्ष) रविवार की छुट्टी मनाने नदी किनारे पहुंचे थे। किनारे पर नहाते समय वे धीरे-धीरे गहरे पानी की ओर चले गए। पानी का अंदाजा न होने के कारण दोनों अनियंत्रित होकर डूबने लगे। आसपास के लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। अंधेरा होने के कारण तलाश में काफी दिक्कतों का सामना मशक्कत के बाद गोताखोरों ने दोनों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मरच्युरी भेज दिया है।

जमीन रजिस्ट्री में अनियमितता की शिकायत, जांच टीम गठित

बेमेतरा, प्रतिदिन राजधानी

स्थानीय उप पंजीयक कार्यालय में जमीन की रजिस्ट्री में अनियमितता की शिकायत कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई से की गई है। शिकायत शहर की मां कालिका सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा तीन बिंदुओं में दर्ज कराई गई है। इस पर जिला पंजीयन विभाग ने जांच के लिए टीम गठित की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ मामलों में सिंचित भूमि को असिंचित दिखाकर तथा महंगे वार्ड की जमीन को कम दर वाले वार्ड में दर्शाकर रजिस्ट्री की जा रही है। इससे राजस्व हानि होने की बात कही गई है।

यह भी बताया गया है कि नियमों के अनुसार छोटे भूखंडों की रजिस्ट्री के लिए संबंधित विभागों की अनुमति आवश्यक होती है, लेकिन कुछ मामलों में कम क्षेत्रफल की भूमि की रजिस्ट्री किए जाने का आरोप है।

मुख्य मार्ग से दूरी के आधार पर जमीन के मूल्य निर्धारण में भी अनियमितता की बात शिकायत में कही गई है। इसके अलावा सिंचित भूमि को असिंचित बताकर रजिस्ट्री शुल्क और स्टांप ड्यूटी कम किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने इस मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

जिला पंजीयक अधिकारी संतुलाल नेताम ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद जांच के लिए टीम गठित की गई है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला खनिज संस्थान न्यास निधि से 811 करोड़ के विकास कार्य, राजस्व वसूली में 103 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

कांकेर प्रतिदिन राजधानी

जिले ने विकास और खनिज राजस्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिला खनिज संस्थान न्यास निधि (डीएमएफ) के प्रभावी उपयोग और राजस्व वसूली में बेहतर प्रदर्शन के चलते जिले के सभी सातों विकासखण्डों कांकेर, चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल, अंतागढ़ और कोयलीबेड़ा में विकास कार्यों ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है। कांकेर जिले में जिला खनिज संस्थान न्यास निधि के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 की स्थिति में 811 करोड़ 26 लाख रुपये की लागत से 05 हजार 89 कार्यों को स्वीकृति दी गई है, इनमें से अब तक 622 करोड़ 69 लाख रुपये विकास कार्यों में व्यय हो चुके हैं जो पूर्ण राशि का 76.7 प्रतिशत है। स्वीकृत कार्यों में अब तक 03 हजार 793 कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में 161 करोड़ 17 लाख रुपये और भौतिक आधारभूत संरचना निर्माण में 249 करोड़ 14 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। खनन प्रभावित विकासखण्ड अंतागढ़, कोयलीबेड़ा और दुर्गूकोंदल में स्वास्थ्य और पेयजल से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में खनिज राजस्व का लक्ष्य 453 करोड़ 88 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित था, जिसके विरूद्ध 471 करोड़ 30 लाख रुपये की वसूली की गई जो लक्ष्य का 103.80 प्रतिशत है। इससे पहले वर्ष 2024-25 में भी 250 करोड़ 20 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 330 करोड़ 54 लाख रुपए वसूले गए थे, जो लक्ष्य का 132.11 प्रतिशत था। जिले में डीएमएफ अंशदान भी पिछले 10 वर्षों में 01 करोड़ 44 लाख रुपये से बढ़कर 150 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन और अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई जा रही है। वर्ष 2025-26 में कुल 135 प्रकरण दर्ज कर 55 लाख 29 हजार 508 रुपए का अर्थदंड वसूला गया। इनमें अवैध परिवहन के 117 मामलों में 38 लाख रुपए, अवैध भंडारण के 13 मामलों में 09 लाख 81 हजार रुपए और अवैध खनन के 05 मामलों से07 लाख 45 हजार रुपए की वसूली की संसाधनों से प्राप्त हर राशि को खनन प्रभावित है। जिला खनिज संस्थान न्यास निधि के माध्यम से स्कूल, अस्पताल, सड़क और नल-जल योजना के 3793 कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

शबरी नदी तट पर पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की तैयारी, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सुकमा प्रतिदिन राजधानी

जिले के पर्यटन स्थलों को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर अमित कुमार रविवार को चिक्कलगुड़ा पहुंचे। इस अवसर पर डीएफओ अक्षय भोंसले भी उनके साथ उपस्थित रहे। कलेक्टर ने शबरी नदी के किनारे स्थित पर्यटन क्षेत्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पर्यटकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की संभावनाओं पर अधिकारियों के साथ चर्चा की और स्थल को अधिक आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वहां घूमने आए स्थानीय पर्यटकों से संवाद किया और उनसे क्षेत्र में सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु सुझाव भी लिए। पर्यटकों ने साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं को लेकर अपनी राय साझा की।

कलेक्टर ने कहा कि शबरी नदी तट को पर्यटन के दृष्टिकोण से और अधिक विकसित किया जाएगा ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

तिलक वर्मा-22 गेंद में 19 रन, अगली 23 पर 82

बुमराह को पहली बॉल पर विकेट, गुजरात 100 रन पर सिमटी

अहमदाबाद। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के 30वें मैच में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हरा दिया। अहमदाबाद में तिलक वर्मा ने शतकीय पारी खेली। उनकी इस पारी में टेस्ट और टी-20 दोनों फॉर्मेट के रंग दिखे। शुरुआती 22 गेंद में 19 रन बनाने वाले तिलक ने अपनी आखिरी 23 गेंद में 82 रन ठोक दिए। जसप्रीत बुमराह ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

तिलक वर्मा की 33 गेंद में फिफ्टी अगली 12 गेंद में शतक पार

तिलक वर्मा ने 45वीं गेंद पर शतक पूरा किया। उन्होंने इसके साथ ही मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने के सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। तिलक शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। उन्हें फिफ्टी तक पहुंचने में 33 गेंद लग गए। फिफ्टी जमाने के बाद रंग में लौटे तिलक ने अगली 12 गेंदों में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने गुजरात के अशोक शर्मा के तीसरे ओवर में 24 रन बनाए। तिलक गुजरात के खिलाफ मुंबई के लिए शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2023 में वानखेड़े में नाबाद 103 रन बनाए थे। तिलक ने इस सीजन की फास्टेस्ट सेंचुरी भी लगाई। चेन्नई के संजू सैमसन ने 52 और मुंबई के क्विंटन डी कॉक ने 53 बॉल पर शतक लगाया था।

मुंबई की चौथी सबसे बड़ी जीत

मुंबई इंडियंस ने 99 रन से जीत दर्ज करते हुए आईपीएल इतिहास में अपनी चौथी सबसे बड़ी जीत हासिल की। टीम की सबसे बड़ी जीत 2017 में दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ 146 रन से आई थी।

दानिश और कृष का टी-20 डेब्यू

मुंबई इंडियंस के लिए दो नए खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। दानिश मलेवार ने पहला मुकाबला खेला, वहीं हाल ही में सपोर्ट बॉलर के रूप में शामिल कृष भगत को भी प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। दोनों ने इससे पहले कोई टी-20 मैच नहीं खेला था, यानी यह उनके प्रोफेशनल टी-20 करियर का पहला मैच रहा।

रबाडा ने अपनी ही बॉल पर लपका डी कॉक का कैच

चौथे ओवर में कगिसो रबाडा ने क्विंटन डी कॉक को कॉट एंड बोल्ड किया। रबाडा ने करीब 150 की रफ्तार से शॉर्ट बॉल फेंकी। डी कॉक शॉट मारने में संतुलन खो बैठे। बॉल टॉप एज लेकर हवा में गई और रबाडा ने खुद कैच लपक लिया।

रबाडा की 152 kmph की रफ्तार पर सूर्या क्लीन बोल्ड

छठे ओवर में रबाडा ने सूर्यकुमार यादव को क्लीन बोल्ड किया। रबाडा ने 152.1 kmph की रफ्तार से बॉल फेंकी, जो पिच होकर अंदर आई। सूर्या ड्राइव के प्रयास में पेस से चकमा खा गए और बॉल स्टंप्स से टकरा गई।

बुमराह ने साई सुदर्शन को कैच कराया

जसप्रीत बुमराह ने पहली ही बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने गुजरात के इन-फॉर्म बल्लेबाज साई सुदर्शन को कृष्ण भगत के हाथों कैच आउट कराया। बुमराह ने फुल लेंथ बॉल फेंकी जो बाहर निकली। सुदर्शन ने बिना पैरों के मूवमेंट के कवर्स के ऊपर से स्लाइस करने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से पर लगकर कवर-पॉइंट पर खड़े फील्डर के पास गई। बुमराह को आईपीएल में 146 गेंदों के इंतजार के बाद यह सफलता मिली। इस सीजन में 114 गेंदों के बाद यह उनका पहला विकेट था। सुदर्शन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।

आखिरी बॉल पर चौके से तिलक का शतक

20वें ओवर की आखिरी बॉल पर तिलक वर्मा ने चौका जड़कर आईपीएल में पहला शतक पूरा किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने धीमी और शॉर्ट बॉल फेंकी। तिलक ने डीप स्क्वायर लेग में गैप ढूंढकर चौका लगाया।

सैंटनर और अश्विनी को एक ओवर में 2-2 विकेट

8वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने दो विकेट झटके। उन्होंने ओवर की दूसरी बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर (26) को नमन धीर के हाथों कैच कराया, और फिर चौथी बॉल पर ग्लेन फिलिप्स (6) का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लपका। वहीं, 13वें ओवर में अपना सीजन का पहला मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने भी दो विकेट चटकाए। दूसरी बॉल पर उन्होंने राशिद खान (4) को राज बावा के हाथों कैच कराया। इसके बाद आखिरी बॉल पर शाहरुख खान स्लोअर बॉल पर नमन धीर को कैच थमा बैठे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की टीम को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस हार से निराश टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इसके लिए गेंदबाजों का जिम्मेदार बताया। शुभमन ने कहा कि हमने काफी ज्यादा रन दे दिये थे। बीच के ओवरों में हमें अच्छी गेंदबाजी करनी चाहिये थी पर उसमें हम विफल रहे। हमारे गेंदबाज विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी भी खराब रही और वह लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 100 रन ही बना पायी। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए, पर तिलक वर्मा के शतक से मुंबई ने 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बना लिया। मैच के बाद गिल ने कहा कि हमारी टीम मुम्बई के बल्लेबाजों को रोक नहीं पायी। पिच थोड़ी धीमी थी जिस पर हमने काफी रन लुटा दिये पर इसके बाद भी हमें इस मैच से काफी कुछ सीखने को मिला है। साथ ही कहा कि यह हार टीम के लिए एक सबक है। सभी को समझना होगा कि एक गलती उन्हें पीछे कर सकती है विशेषकर जब वे घरेल मैदान की जगह पर अन्य स्थलों पर उतरेंगे तब उन्हें सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, 'अब हमारे पास बाहर के कुछ मैच हैं, उम्मीद है कि हम फिर से जीत की राह पर लौटेंग। मुझे लगता है कि विकेट थोड़ा धीमा था। हम सही क्षेत्र में गेंदबाजी नहीं कर पाए। हमें मध्य के ओवरों में लगातार उसी लेंथ पर गेंदबाजी करनी चाहिए थी, जो हम नहीं कर पाए।' वहीं टीम बल्लेबाजी में भी असफल रही जबकि दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजी थोड़ी आसान हो गई थी। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात को 99 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पांच विकेट पर 199 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम 100 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत के साथ ही मुम्बई की पिछले चार मैचों से हार का सिलसिला जरुर थम गया है।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मॉर्गन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मॉर्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मॉर्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं। टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने जो रणनीति बनायी है सभी खिलाड़ी उसपर चल रहे हैं। वहीं कूपर कोनोली की बल्लेबाजी पर मॉर्गन ने कहा कि वह अभी सिर्फ 22 साल का है और यहां किसी परिपक्व बल्लेबाज की तरह खेल रहा है।

फुटबॉल विश्व कप 2026 ब्राजील के लिए सुनहरा मौका : काफू

मैड्रिड। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर काफू का मानना है कि 2026 फुटबॉल विश्व कप ब्राजील के लिए 24 साल बाद फिर से चैंपियन बनने का सबसे सही समय है। काफू, जिन्होंने 2002 में टीम की कप्तानी करते हुए ब्राजील को उसका पांचवां विश्व खिताब दिलाया था, ने कहा कि मौजूदा टीम में संतुलन और अनुभव दोनों मौजूद हैं। उन्होंने 1994 में भी विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहते हुए देश को गौरव दिलाया था। लॉरेंस अवॉर्ड्स समारोह में उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'पिछले खिताब के 24 साल बाद, यह ब्राजील के लिए बिल्कुल सही मौका है।' काफू ने टीम के कोच कार्लो अंचेलोटी की सराहना करते हुए उन्हें लगातार जीत दिलाने वाला कोच बताया। उनके अनुसार, टीम का आक्रमण और मिडफील्ड पहले से मजबूत है, इसलिए इस बार रक्षापंक्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। काफू ने स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर पर भरोसा जताते हुए कहा कि विश्व कप किसी भी खिलाड़ी के लिए खुद को साबित करने का सबसे बड़ा मंच होता है। 19 वर्षीय एंड्रिक को लेकर काफू ने कहा कि फ्रांस के क्लब लियोन में खेलने से उन्हें काफी फायदा मिला है और वह ब्राजील के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। 2026 फुटबॉल विश्व कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा।

आईपीएल में हैदराबाद ने दिल्ली को 243 का टारगेट दिया

अभिषेक शर्मा ने 68 बॉल पर 135 रन बनाए, 10 चौके और 10 छक्के लगाए

हैदराबाद। अभिषेक की शतकीय पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 243 रन का टारगेट दिया है। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। स्क्रा। ने 20 ओवर में दो विकेट पर 242 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने नाबाद 135 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंद की पारी में 10 चौके और 10 छक्के लगाए।

हेनिरक क्लासन ने नाबाद 37 रन बनाए। दोनों ने नाबाद 66 रन की पार्टनरशिप की। अभिषेक के अलावा, ट्रैविस हेड ने 37, ईशान किशन ने 25 रन का योगदान दिया। दिल्ली की ओर से अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया। एक बल्लेबाज रनआउट हुआ। हैदराबाद की पारी के आखिरी ओवर से 20 रन आए। इसमें 3 चौके ओर एक छक्का लगा। आखिरी बॉल पर आए चौके के दम पर हैदराबाद ने 20 ओवर में 242 रन बना डाले और दिल्ली को 243 रन का टारगेट दिया। 18वें

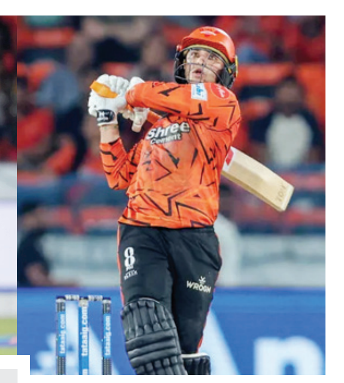

ओवर में लुंगी एनगिडी ने 14 रन खर्च कर दिए। हेनरिक क्लासन ने उनकी चौथी और 5वीं बॉल पर लगातार दो छक्के लगाए। बाकी के रन सिंगल के जरिए आए। 17वें ओवर में हैदराबाद ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। अभिषेक ने नटराजन के ओवर की आखिरी बॉल पर रिवर्स स्वीप करके चौका लगाया। इसी चौके से टीम का स्कोर 200 पार हो गया। 15वें ओवर में हैदराबाद ने दूसरा विकेट गंवाया। नीतीश की चौथी बॉल पर ईशान किशन रनआउट हो गए।

अभिषेक शर्मा ने लगाया शतक, बनाए ये रिकॉर्ड्स

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 31वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में शानदार शतकीय पारी खेली। यह उनके आईपीएल करियर का दूसरा शतक साबित हुआ। उन्होंने राजीव गांधी स्टेडियम में विपक्षी गेंदबाजों की जमकर खबर ली और इस सीजन में अपना पहला शतक लगाया। इस बीच उन्होंने स्क्रा। की ओर से अपने 2,000 रन पूरे किए। अभिषेक ने पारी के 5वें ओवर में नितीश राणा के खिलाफ 3 छक्के लगाए। इस सलामी बल्लेबाज ने हैदराबाद के मैदान पर सिर्फ 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस पारी के दौरान उन्होंने ट्रेविस हेड (37) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की। आक्रामक खेलते हुए अभिषेक ने 47 गेंदों में अपनी पारी को शतक में तब्दील किया। इस बीच उन्हें कुछ जीवनदान भी मिले। अभिषेक आईपीएल में एसआरएच की ओर से 2,000 रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले डेविड वार्नर (4,014), शिखर धवन (2,768), और केन विलियमसन (2,101) ऐसा कर चुके हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ हमारे मिडिल ऑर्डर की पोल खुल गई : मैथ्यू हेडन

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ हुए मैच में गुजरात टाइटंस (जीटी) की बल्लेबाजी एक्सपोज हो गई। जीटी के बारे में कहा जाता है कि उनकी सफलता उनके टॉप-3 की सफलता पर निर्भर है। एमआई के खिलाफ उनका टॉप-3 फ्लॉप रहा और टीम को 99 रन से हार का सामना करना पड़ा। जीटी के मध्यक्रम की असफलता को बल्लेबाडी कोच मैथ्यू हेडन ने भी माना। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैथ्यू हेडन ने कहा, 'आज मिडिल ऑर्डर की पोल खुल गई। टॉप-ऑर्डर की नाकामी ने बाकियों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। पावरप्ले की बात यह है कि आप वहां से जीत नहीं सकते, खासकर रन चेज में, लेकिन आप हार जरूर सकते हैं। हमने इसे पावरप्ले में ही गंवा दिया। बता दें कि साई सदर्शन, जोस बटलर, और शुभमन गिल 4.4 ओवर तक आउट हो चुके थे। हेडन ने कहा, 'हम अपने मध्यक्रम पर बहुत दबाव डाल रहे हैं। जब आप देखते हैं कि आप मध्यक्रम को कैसे संभालते हैं, तैयारी कैसे करते हैं, तो यह टॉप तीन के तैयारी करने के तरीके से बहुत अलग होता है। वे इम्पैक्ट के लिए बल्लेबाजी कर रहे हैं। आप जानते हैं, जब आप शाहरुख खान को वहां भेजते हैं। मुझे नंबर नहीं पता, अगर आपको 7 गेंद मिल रही हैं और आप 180 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं, तो आपका सीजन जबरदस्त चल रहा है।' उन्होंने कहा, 'शाहरुख खान, राहुल तेवतिया और ग्लेन फिलिप्स संघर्ष कर रहे हैं। हमें राहुल तेवतिया या शाहरुख खान को बहुत ज्यादा गेंदें नहीं खेलने देनी चाहिए। यह उनका रोल नहीं है। वे इसके लिए ट्रेनिंग नहीं करते हैं। आप जानते हैं, हम एक बहुत अच्छी सोचने वाली बल्लेबाजी यूनिट हैं। सभी के अपने रोल हैं और सभी निभाते भी हैं, लेकिन इस मैच में वे ऐसा नहीं कर सके।' एमआई ने तिलक की 101 रन की नाबाद पारी की बदौलत 5 विकेट पर 199 रन बनाए थे और जीटी को 100 रन पर समेटकर 99 रन से जीत हासिल की।

शाहरुख खान और राहुल तेवतिया पर जीटी का इतना भरोसा हैरान करने वाला : अभिनव मुकुंद

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस को अपने घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडिमय में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 99 रन से हार का सामना करना पड़ा। जीटी की हार के बाद टीम प्रबंधन द्वारा शाहरुख खान और राहुल तेवतिया पर किए जा रहे भरोसे को लेकर पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने हैरानी जताई।

गुजरात टाइटंस की समस्या यह है कि अगर उनके शीर्ष के तीन बल्लेबाज (साई सुदर्शन, शुभमन गिल और जोस बटलर) लंबी पारी खेलने में सफल नहीं रहे, तो मध्यक्रम पर भरोसा नहीं किया जा सकता। मुंबई के खिलाफ मैच में यही हुआ। शीर्ष तीन बल्लेबाज सस्ते में निपट गए और मध्यक्रम भी नहीं चला। जीटी को 99 रन से हार का सामना करना पड़ा। पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने जीटी की इस समस्या का समाधान ईएसपीएनक्रिकइंफो के टाइमआउट शो में बताया। उन्होंने कहा, जीटी के पास शायद वे समाधान हैं जिनकी उन्हें जरूरत है। मुझे बहुत हैरानी है कि उन्होंने शाहरुख खान और राहुल तेवतिया पर इतना भरोसा किया। शायद उनका मानना है कि उन्होंने उनमें इतना निवेश किया है और यह एक ऐसा रोल है जिसे वे जरूरत पड़ने पर पूरा कर सकते हैं। मैंने हमेशा कहा है कि उनके पास बेंच पर बैठे कुछ सबसे अच्छे युवा भारतीय खिलाड़ी हैं। उनके पास निशांत सिंधु हैं, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स में एक साल खेला, उन्हें जीटी के लिए एक भी गेम नहीं मिला है। वह इंडिया ए का नियमित हिस्सा हैं।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब 'राशिद खान: फ्रॉम स्ट्रीट्स टू स्टारडम' में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, 'मुझे

ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा.' उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है। एक ऐसे समय में जब कई खिलाड़ी बेहतर अवसरों और सुविधाओं के लिए राष्ट्रीयता बदलने पर विचार करते हैं, राशिद का अपने देश के प्रति यह अटूट समर्पण एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनका यह निर्णय न केवल अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भी देश प्रेम का एक मजबूत संदेश है।

जसप्रीत बुमराह को पहला ओवर न देना मेरी समस्या नहीं है : पांड्या

अहमदाबाद। जसप्रीत बुमराह को आईपीएल 2026 की पहली विकेट मिल गई है। बुमराह को सीजन के छठे मैच में पहला विकेट मिला। सोमवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मैच में एमआई के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए बुमराह ने पहली ही गेंद पर विकेट ली। एमआई के लिए सीजन में जसप्रीत बुमराह ने पहली बार पारी का पहला ओवर फेंका। इस पर हार्दिक पांड्या ने कहा, 'मैंने बहुत से लोगों को यह कहते हुए देखा है कि जस्सी ने पहले ओवर में गेंदबाजी क्यों नहीं की। अगर आप देखें, तो 151 मैचों में जसप्रीत ने 8 या 9 बार ही पहला ओवर किया है। इसलिए मुझे नहीं

लगता कि यह हार्दिक पांड्या की समस्या है। बात बस इतनी है कि जसप्रीत बुमराह इतने स्पेशल हैं कि आप उनका इस्तेमाल टीम के लिए जहां भी जरूरी हो, करते हैं, न कि तब जब आप शुरुआत करते हैं। जीटी के खिलाफ हमें महसूस हुआ कि हम सच में नई गेंद से प्रभाव डालना चाहते हैं, और उनसे बेहतर कोई नहीं है।' जसप्रीत बुमराह ने सीजन के पहले 5 मैचों में मुंबई इंडियंस के लिए गेंदबाजी की शुरुआत नहीं की थी। इसका असर उनकी गेंदबाजी पर दिख रहा था। बुमराह पिछले 5 मैचों में 1 भी विकेट नहीं ले पाए थे। साथ ही रन भी उनकी गेंदों पर बन रहे थे। जीटी के खिलाफ गेंदबाजी की शुरुआत करने आए बुमराह ने पहली गेंद पर ही विकेट लेते हुए अपनी विकेटों का सूखा खत्म किया और एमआई को दमदार शुरुआत दिलायी जो बाद में जीत में बदली। बुमराह ने 3 ओवर में 15 रन देकर 1 विकेट लिए। एमआई ने तिलक की 101 रन की नाबाद पारी की बदौलत 5 विकेट पर 199 रन बनाए थे और जीटी को 100 रन पर समेटकर 99 रन से जीत हासिल की। तिलक प्लेयर ऑफ द मैच रहे। एमआई के लिए अश्वनी कुमार ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए।

गुजरात पर जीत से मुंबई इंडियंस ने लगायी तीन पायदान की छलांग

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली 99 रनों की जीत से मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 की अंकतालिका में भी खास लाभ मिला है। इस जीत से मुंबई की टीम अंक तालिका में तीन स्थान ऊपर आकर सातवें नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई के अब छह मैचों में 4 अंक हो गये हैं। इस जीत से वह चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स हैं से भी आगे हो गयी है। केकेआर के अब तक 7 मैचों में 3 अंक ही हैं, जबकि सीएसके और सुपर जायंट्स के भी मुम्बई के बराबरी ही 4-4 अंक हैं पर बेहतर नेट रन रेट के कारण मुंबई उनसे आगे है। वहीं गुजरात टाइटंस 6 अंक के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन छह मैचों में 283 रनों के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल हैं। गिल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 रन बनाए जिससे उनके पांच मैचों में कुल 265 रन हैं। आरसीबी के विराट कोहली 247 रन के साथ तीसरे जबकि राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवें नंबर पर हैं।

2017 से ही प्रोड्यूसर बनना था, सोच रखा था अपनी फिल्म में काम नहीं करूंगी : पत्रलेखा

एक्टिंग के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखने वाली बॉलीवुड अदाकाराओं में अब पत्रलेखा का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म 'टोस्टर' ओटीटी पर आई है। इसमें उनके पति राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है। पत्रलेखा दो टूक अंदाज में जवाब देती हैं। कहती हैं कि उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि वह अपनी फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगी। उनकी यह फिल्म एक कंजूस आदमी की कहानी है। बात निकली तो एक मजेदर सवाल ये भी पूछा गया कि राजकुमार राव और उनमें, असल जिंदगी में ज्यादा कंजूस कौन है? 36 साल की नई-नवेली मां ने इसका भी बेबाकी से जवाब दिया। शिलांग के बंगाली परिवार में पैदा हुई पत्रलेखा ने 2014 में 'सिटी लाइट्स' फिल्म से ही अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'लव गेम्स', 'नानू की जानू', 'बदनाम गली', 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' और 'फुले' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी दिखाई है। वह आगे 'सूर्यास्त' में नजर आएंगी।

पत्रलेखा बोलीं- मैं 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहती थी

पत्रलेखा 'टोस्टर' के बनने और प्रोड्यूसर बनने के बारे में बताती हैं, 'हम दोनों (राज और वह) साल 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहते थे, मगर बीच में कोविड महामारी आ गई तो वह नहीं हो पाया, लेकिन मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी, क्योंकि कैमरे के पीछे भी मैं जो करूंगी अच्छे से करूंगी।'

प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है

बकौल पत्रलेखा, 'मेरी जिंदगी का मकसद ही यह है कि मैं शायद 10 चीजें न करूं, एक ही चीज करूं, मगर उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी तो मैंने सोच रखा था कि मैं कैमरे के आगे नहीं रहूंगी। सच कहूं तो मुझे इस जर्नी में बहुत मजा आया। बतौर एक्टर हमें पता नहीं होता कि फिल्म बनाने में कितना काम होता है। प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है। मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। मुझे लगता है कि अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।'

राजकुमार नहीं, मैं हूं कंजूस

'टोस्टर' में राजकुमार राव एक महा कंजूस पति की भूमिका में हैं। क्या असल जिंदगी में भी वह ऐसे हैं? इस सवाल के जवाब में पत्रलेखा पूरी ईमानदारी और बेबाकी से कहती हैं, 'नहीं, राज बिलकुल कंजूस नहीं है। हम दोनों में से मैं कंजूस हूं।' वह आगे हंसते हुए बताती हैं, 'मैंने तो ऐसा भी किया है कि फिल्म के डायरेक्टर विवेक, जो मेरे बचपन के दोस्त हैं, मैं उसको बोलती थी कि मुझे खाना खिलाने लेकर चल और जब बिल देने की बारी आती थी तो मैं उसको बिल पकड़ाकर चली जाती थी।'

बेटी के आने के कितने बदले आपसी रिश्ते

पत्रलेखा और राजकुमार राव पहले दोस्त थे। फिर लाइफ पार्टनर बने। दोनों साल 2010 से ही साथ हैं। जबकि 15 नवंबर 2021 को दोनों ने पति-पत्नी के रूप में जीवन की नई पारी शुरू की। अब उनकी जिंदगी में बेटी पार्वती पॉल राव भी है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि बेटी का जन्म उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर 15 नवंबर 2025 को हुआ। क्या माता-पिता बनने के बाद दोनों के आपसी रिश्ते बदले हैं। इस पर पत्रलेखा कहती हैं, 'नहीं। पैरेंट्स बनने के बाद भी राज और मैं बिल्कुल नहीं बदले हैं। हम पहले दिन से दोस्त हैं और आज भी दोस्त है। हमारे रिलेशनशिप के चलने की वजह भी यही है कि हम बहुत अच्छे दोस्त हैं।'

महाकाल के दरबार पहुंचे अनुपम खेर, बोले- 'यहां आकर मिली अलग शांति और शक्ति'

जाने-माने अभिनेता अनुपम खेर अक्सर अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने आध्यात्मिक और धार्मिक यात्राओं को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। वह समय-समय पर देश के अलग-अलग मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन करते हैं और अपने अनुभव फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में हाल ही में वह मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और आरती में भी हिस्सा लिया। अनुपम खेर ने अपनी इस खास यात्रा की झलक इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें वह महाकालेश्वर मंदिर के परिसर में घूमते नजर आ रहे हैं। इस मंदिर को देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। इस पोस्ट के कैप्शन में अनुपम खेर ने लिखा, 'उज्जैन के महाकाल मंदिर पहुंचा। यहां भगवान के दर्शन किए और आप सबके लिए भी प्रार्थना की। यहां आना अद्भुत और दिव्य अनुभव रहा। भारत सच में ऐसे अद्भुत धार्मिक स्थलों से भरा हुआ है, जिनकी प्राचीनता और इतिहास अविश्वसनीय है। आज आत्मा को एक अलग ही शांति और शक्ति का अनुभव हुआ। हर हर महादेव! हर हर महाकाल।' पोस्ट में शेयर किए गए वीडियो में अनुपम खेर का उत्साह साफ देखने को मिल रहा है।

पहली बार आमिर खान की हीरोइन बनेंगी श्रद्धा कपूर, फिल्मी गलियारों में हलचल

अभिनेता आमिर खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर अलग अंदाज में नजर आने की तैयारी में हैं। इस बार वह भारतपे के सह-संस्थापक और 'शार्क टैंक इंडिया' से चर्चा में आए अशनीर ग्रोवर के जीवन पर आधारित फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे। खास बात यह है कि फिल्म में पहली बार श्रद्धा कपूर उनके साथ नजर आएंगी। श्रद्धा इस फिल्म में अशनीर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभाती दिखाई देंगी। माना जा रहा है कि यह फिल्म कॉर्पोरेट दुनिया, विवाद और निजी संघर्षों की कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करेगी। फिल्म में आमिर और श्रद्धा की जोड़ी पहली बार दर्शकों के सामने

आएगी। बताया जा रहा है कि श्रद्धा पिछले कुछ समय से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हुई हैं और अपने किरदार की तैयारी में जुटी हैं। उनके लिए यह भूमिका अब तक निभाए गए चुलबुले किरदारों से बिल्कुल अलग होगी, क्योंकि इसमें वह एक कॉर्पोरेट प्रोफेशनल और पत्नी के जटिल भावनात्मक पक्ष को पर्दे पर उतारेंगी। फिल्म की कहानी में 2022 में भारतपे से जुड़े विवादों और परिवार पर लगे वित्तीय आरोपों को भी अहम हिस्सा बनाया जाएगा। हालांकि, फिल्म का आधिकारिक ऐलान अभी नहीं किया गया है, लेकिन आमिर और श्रद्धा के साथ आने की खबर ने फिल्मी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। दर्शकों के बीच इस बात को लेकर उत्सुकता है कि आमिर, अशनीर के बेबाक अंदाज और तीखी संवाद शैली को किस तरह पर्दे पर उतारेंगे। वहीं श्रद्धा का नया कॉर्पोरेट अवतार भी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। माना जा रहा है कि यह फिल्म आने वाले समय की सबसे चर्चित बायोपिक फिल्मों में शामिल हो सकती है।

सैयारा फेम अनीत पड्डा के दादा का निधन अल्जाइमर से लंबे समय से पीड़ित थे एक्ट्रेस ने इमोशनल पोस्ट लिखा

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा के दादा का निधन हो गया। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर निधन की जानकारी देते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। अनीत ने पोस्ट में लिखा, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार। आप धीरे-धीरे दूर जा रहे थे, लेकिन आपने 'मक्खन' को नहीं भुलाया। जब यादें साथ नहीं दे रही थीं, तब भी आपने प्यार को थामे रखा। अब मैं दोनों को संभालकर रखूंगी, आपकी यादें और आपका प्यार। हमारे साथ बिताए हर पल को मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। मैं एक अच्छी इंसान बनूंगी।' एक्ट्रेस ने आगे लिखा, आपके मजाक याद रखूंगी और हर मौके पर उन्हें दोहराऊंगी। आपकी अच्छाई और आपकी रोशनी को हर अंधेरे में फैलाऊंगी। आपकी कहानियां

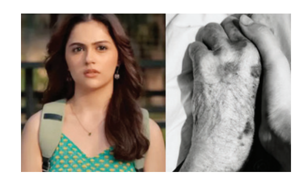

दुनिया को सुनाऊंगी। आपका प्यार अपने दिल में रखूंगी, आपने मुझे सबसे सच्चा और बिना शर्त वाला प्यार सिखाया है। पोस्ट के अंत में एक्ट्रेस ने लिखा, 'मैं आपको हमेशा अपने साथ लेकर चलूंगी। आज मैंने आसमान में सबसे चमकता तारा देखा और समझ गई कि आप वहीं हैं। मैं आपसे प्यार करती हूं... बहुत-बहुत प्यार करती हूं, दादू। हमेशा, समय से भी आगे तक।' बता दें कि अनीत के दादा लंबे समय से अल्जाइमर की बीमारी से जूझ रहे थे।

वाणिज्य समाचार

फोनपे के साथ 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड खरीदकर इस अक्षय तृतीया को बनाएं और भी यादगार

नई दिल्ली। इस पावन अक्षय तृतीया पर अब सोना खरीदना पहले से भी आसान हो गया है। फोनपे के जरिए आप घर बैठे ही 99.99% शुद्ध 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से खरीद सकते हैं। फोनपे प्लेटफॉर्म पर आपको भरोसेमंद कंपनियों जैसे एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और कैरटलेन का गोल्ड मिलता है, जो पूरी तरह शुद्धता प्रमाणित होता है। इसकी खास सुविधा है कि गोल्ड की पेमेंट के कई विकल्प हैं जैसे यूपीआई, यूपीआई लाइट, कार्ड, वॉलेट, गिफ्ट कार्ड। इसके अलावा, एक बार में गोल्ड खरीद सकते हैं या रोजाना या मासिक एसआईपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, जिससे आप लंबे समय के लिए बचत कर सकते हैं। मात्र 10 रूपये से गोल्ड खरीदना शुरू सकते हैं। कभी भी अपना गोल्ड बेच सकते हैं। बेचने के बाद पैसा सीधे बैंक खाते में आ जाता है। भारत में लाखों लोगों ने फोनपे पर 24 कैरेट शुद्ध सोना खरीदा है।

फोनपे पर डिजिटल गोल्ड खरीदने का स्टेप-बाय-स्टेप आसान तरीका:- पहला स्टेप: फोनपे ऐप खोलें, नीचे स्क्रॉल करके गोल्ड एंड सिल्वर सेक्शन में जाएं और 'मोर' पर टैप करें।

भीम पेमेंट्स ऐप पर अब सिबिल स्कोर उपलब्ध... ट्रांसयूनियन सिबिल ने एनबीएसएल के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी क्रेडिट सूचना कंपनी ट्रांसयूनियन सिबिल ने आज एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित भारत के स्वदेशी भुगतान ऐप भीम पेमेंट्स ऐप में उपभोक्ता सिबिल स्कोर और क्रेडिट सूचना रिपोर्ट (सीआईआर) के एकीकरण की घोषणा की। इस एकीकरण के माध्यम से भीम ऐप के उपयोगकर्ता ऐप के भीतर ही अपने सिबिल स्कोर और महत्वपूर्ण क्रेडिट जानकारी को सुरक्षित रूप से एक्सेस, देख और ट्रैक कर सकेंगे, जिससे उन्हें अपनी क्रेडिट स्थिति की बेहतर समझ मिलेगी। नियामक दिशा निर्देशों के अनुरूप, यह एकीकरण ग्राहक की सहमति-आधारित मॉडल का पालन

करता है, जिसमें उपयोगकर्ता की अनुमति के बाद ही क्रेडिट जानकारी एक्सेस की जाती है, जिससे पारदर्शिता और नियंत्रण सुनिश्चित होता है। ट्रांसयूनियन सिबिल और एनबीएसएल भारत के वित्तीय और डिजिटल भुगतान पारिस्थिति की तंत्र की दो प्रमुख संस्थाएं हैं। भीम ऐप में सिबिल स्कोर को शामिल करके, यह एकीकरण क्रेडिट जागरूकता को रोजमर्रा की वित्तीय गतिविधियों के साथ जोड़ता है। यह उपभोक्ताओं को एक परिचित प्लेटफॉर्म पर विश्वसनीय क्रेडिट जानकारी को सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से एक्सेस करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे अधिक सूचित वित्तीय निर्णय ले सकें। भीम पेमेंट्स ऐप को उपयोगकर्ताओं की रोजमर्रा की वित्तीय जरूरतों को प्रबंधित करने में सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए बनाए गए इस ऐप में 15 से अधिक भारतीय भाषाओं का समर्थन है और यह एक सरल व आसानी से नेविगेट करने योग्य इंटरफेस प्रदान करता है, जिससे यह शहरी, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सुलभ है। यह पहले से ही उपयोगकर्ताओं को स्प्लिट एक्सपेंस, फैमिली मोड, स्पेंड्स एनालिटिक्स और एक्शननी डेड रिमाइंडर्स जैसी सुविधाओं के माध्यम से अपने पैसे का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है। सिबिल स्कोर के जुडने के साथ, भीम एक कदम आगे बढ़ता है, जिससे उपयोगकर्ता केवल लेनदेन ही नहीं, बल्कि अपनी क्रेडिट प्रोफाइल के बारे में भी जानकारी रखते हुए बेहतर वित्तीय निर्णय ले सकते हैं। ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ, भावेश जैन ने कहा -मजबूत और सुदृढ़ क्रेडिट इकोसिस्टम के केंद्र में क्रेडिट जागरूकता और क्रेडिट समावेशन होते हैं। भीम पेमेंट्स ऐप अपने करोड़ों उपयोगकर्ताओं के लिए सिबिल स्कोर और क्रेडिट सूचना रिपोर्ट को आसानी से सुलभ बनाएगा। जैसे-जैसे भारत क्रेडिट के प्रति केवल लेन देन-आधारित दृष्टिकोण से आगे बढक़र अधिक योजनाबद्ध दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है, यह हमारी उपभोक्ता जागरूकता यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे 'इंफार्मेशन फॉर गुड' के उद्देश्य के अनुरूप एक अधिक जागरूक, सशक्त और समावेशी क्रेडिट वातावरण के विकास को समर्थन देता है। एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड की एमडी और सीईओ, ललिता नटराज के अनुसार - भीम पेमेंट्स ऐप को सरलता और उपयोगकर्ता नियंत्रण पर स्पष्ट ध्यान के साथ विकसित किया गया है। ट्रांसयूनियन सिबिल के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हम इस दृष्टिकोण को क्रेडिट जागरूकता तक विस्तारित कर रहे हैं।

फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने JEE Main 2026 Session 2 के टॉपर्स की सफलता का बड़े स्तर पर जश्न मनाया...

भिलाई। मंगलवार को देशभर के फिज़िक्सवाला विद्यापीठ केंद्रों पर उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां हाल ही में घोषित JEE Main 2026 Session 2 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर छात्रों की सफलता का जश्न मनाया गया। शीर्ष स्कोरर्स में मुंबई के भायंदर के छात्र साहिल प्रधान शामिल रहे, जिनकी ऑल इंडिया रैंक (AIR) 94 है। प्रधान के अलावा, गुराशीश सिंह चड्ढा (AIR 112 - उत्तराखंड स्टेट टॉपर) और हरियाणा के नमन वर्मा, जो एक किसान के बेटे हैं और जिन्होंने ऑनलाइन ड्रॉपर बैच से कुछ ही महीनों की तैयारी में AIR 243 हासिल की, जैसे छात्रों के प्रदर्शन का भी जश्न मनाया गया। इसके अतिरिक्त, हेमाक्षी कुमार (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), विष्णु भारद्वाज उपाध्याय (मेघालय) और रोहित शर्मा (हिमाचल प्रदेश) जैसे कई छात्रों ने अपने-अपने राज्यों में टॉप किया। प्रमोद यादव

(99.85 - AIR 2476) और कुणाल देवांगन (99.75 - AIR 3995) भिलाई के पीडब्ल्यू विद्यापीठ के शीर्ष छात्रों में रहे। अलख पांडे, शिक्षक, संस्थापक एवं CEO, फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा, 'हम JEE Main 2026 में शामिल होने वाले सभी छात्रों पर गर्व करते हैं और विशेष रूप से उन छात्रों को बधाई देना चाहते हैं जिन्होंने उच्च अंक प्राप्त किए हैं। आपकी मेहनत और समर्पण सराहनीय है। जिन छात्रों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, उनके लिए यह सिर्फ शुरुआत है। अपनी गलतियों का विश्लेषण करें, तैयारी को मजबूत करें और अपने लक्ष्य की ओर लगातार प्रयास करते रहें। हम आपको निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन देते रहेंगे। 'ये छात्र पीडब्ल्यू के विभिन्न लर्निंग प्रोग्राम्स का हिस्सा रहे, जिनमें विद्यापीठ जैसे ऑफलाइन केंद्र,पाठशाला जैसे हाइब्रिड केंद्र और ऑनलाइन बैच शामिल हैं, जहां हर छात्र ने अपनी सुविधा के अनुसार माध्यम चुना।

यह फिज़िक्सवाला के इंटीग्रेटेड शिक्षा दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें डिजिटल और फिज़िकल प्लेटफॉर्म्स को जोड़कर प्रभावी लर्निंग अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। JEE Main 2026 Session 2 का आयोजन भारत के 304 शहरों में स्थित लगभग 566 केंद्रों और विदेश के 14 शहरों में किया गया, जिसमें करीब 11.23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए।

भारतीयपोर्ट सिर्फ माल ही नहीं, पूरी सप्लाई चेन को कर रहे हैं मजबूत, समुद्री व्यापार को मिल रही है नई रफ्तार

भारत की आर्थिक रफ्तार का सबसे बड़ा संकेत आज समुद्र किनारे साफ दिखाई देता है। सुबह होते ही देश के पोर्ट पर कंटेनरों की आवाजाही, बल्क कार्गो की अनलोडिंग और माल को भीतर तक पहुंचाने वाले फ्रेट कॉरिडोर सक्रिय हो जाते हैं। यही वह चक्र है, जो भारत के व्यापार, उद्योग और निर्यात को लगातार गति दे रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के समुद्री व्यापार ने नया रिकॉर्ड बनाया। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार देश के 12 प्रमुख सरकारी पोर्ट ने 915.17 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो हैंडल किया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत की अर्थव्यवस्था में समुद्री व्यापार का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन अब कहानी सिर्फ कार्गो के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। असल बदलाव यह है

कि भारत के पोर्ट अब सिर्फ माल उतारने-चढ़ाने के केंद्र नहीं रह गए, बल्कि वे पूरी सप्लाई चेन और व्यापारिक नेटवर्क की दिशा तय करने वाले 'लॉजिस्टिक्स हब' बनते जा रहे हैं। देश के प्रमुख पोर्ट कांडला (दीनदयाल पोर्ट), मुंबई, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, पारादीप, विशाखापट्टनम और चेन्नई, आज भी कोयला, कच्चा तेल, खादऔर लौह अयस्क जैसे जरूरी माल की सप्लाई में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये पोर्ट एनर्जी सिक्योरिटी और मैन्युफैक्चरिंग के लिए रीढ़ की तरह हैं। वहीं दूसरी ओर, पोर्ट आपरेशन्स का तरीका भी तेजी से बदल रहा है। अबबिजनेस को सिर्फ 'पोर्ट' नहीं चाहिए, बल्कि पोर्ट से लेकर रेल-रोड नेटवर्क, वेयरहाउसिंग और इनलैंड डिलीवरी तक इंटीग्रेटेड सिस्टम व्यवस्था चाहिए । यही वजह है कि इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स मॉडल तेजी से उभर रहा है, जहां माल की आवाजाही तेज, भरोसेमंद और लागत के लिहाज से अधिक प्रतिस्पर्धी बनती है। इस बदलाव का असर भारत के निर्यात और आयात दोनों पर साफ दिख रहा है। जब बंदरगाहों पर टर्नअराउंड टाइम घटता है, कंटेनर तेजी से निकलते हैं और माल समय पर पहुंचता है, तो इसका सीधा फायदा देश के व्यापार को मिलता है। गुजरात का मुंद्रा पोर्ट, जहां एक ही जहाज से करीब 6000 कारों का एक्सपोर्ट किया गया। यह सिर्फ एक शिपमेंट नहीं थाबल्कि भारत के ऑटो सेक्टर और 'मेक इन इंडिया' एक्सपोर्ट अभियान के लिए एक मजबूत संकेत था कि देश अब बड़े पैमाने पर वैश्विक बाजारों तक पहुंच बना रहा है। प्राइवेट पार्ट बिजनेस नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोनदेश का सबसे बड़ा निजी पोर्ट ऑपरेटर बनकर एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स को मजबूती दे रहा है। वहीं जेएसडब्लूइंफ्रास्ट्रक्चर पश्चिमी तट पर क्षमता बढ़ाकर कार्गो मूवमेंट को तेज कर रहा है और डीपी वर्ल्डकंटेनर टर्मिनल और कनेक्टिविटी के जरिए ट्रेड को और आसान बना रहा है।

कुल मिलाकर भारत का समुद्री क्षेत्र अब दोहरी ताकत के साथ आगे बढ़ रहा हैएक तरफ सरकारी पोर्ट की स्थिरता और स्केल, दूसरी तरफ इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की गति और दक्षता।

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अपने विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत देवकर में दुर्ग क्षेत्र की 57वीं शाखा देवकर शाखा का विधिवत शुभारंभ

भिलाई/दुर्ग। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अपने विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत देवकर में दुर्ग क्षेत्र की 57वीं शाखा देवकर शाखा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस नवीन शाखा का उद्घाटन माननीय श्री दिवाकर प्रसाद सिंह, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, नगर पंचायत देवकर, क्षेत्रीय प्रमुख दुर्ग क्षेत्र, श्री अनंत माधव, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री जय प्रकाश नारायण, बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं ग्राहकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री दिवाकर प्रसाद सिंह ने बैंक द्वारा प्रदान की जा रही उन्नत एवं प्रौद्योगिकी आधारित बैंकिंग सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं, युवा वर्ग, कृषकों एवं लघु उद्यमियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उत्पादों का उल्लेख करते हुए बैंक की जन-केंद्रित कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। माननीय अध्यक्ष, नगर पंचायत देवकर ने इस शुभ अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा देवकर क्षेत्र में प्रथम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा की स्थापना एवं उद्घाटन पर हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह केवल एक नई शाखा का उद्घाटन मात्र नहीं है, बल्कि देवकर क्षेत्र के आर्थिक सशक्तिकरण, व्यापारिक उन्नति, रोजगार संवर्धन तथा समग्र विकास की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बैंक ऑफ बड़ौदा की यह शाखा क्षेत्र के नागरिकों, किसानों, व्यापारियों, युवाओं एवं महिलाओं को आधुनिक बैंकिंग सेवाओं से जोड़ते हुए समृद्धि के नए द्वार खोलेगी।

नारी शक्ति वन्दन अधिनियम का विरोध करने पर युवा मोर्चा ने किया पुतला दहन

दंतेवाड़ा, (प्रतिदिन राजधानी)

नारी शक्ति वन्दन अधिनियम का विरोध करने वाली कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के खिलाफ मातृ एवं कन्या शक्ति ने भाजयुमो दंतेवाड़ा के नेतृत्व में मंगलवार को शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चितालंका के सामने में हल्ला बोल कांग्रेस का पुतला दहन किया। भाजपा युवा मोर्चा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में विभिन्न संगठनों से जुड़ीं जिले की हर वर्ग और क्षेत्र से मातृ एवं कन्या शक्ति जन आक्रोश प्रदर्शन में शामिल हुई।

भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने नारी जन आक्रोश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वन्दन अधिनियम का विरोध करके कांग्रेस और विपक्षी दलों ने साबित कर दिया कि वे महिला विरोधी हैं। कांग्रेस एवं उनके सहयोगी दल के नेताओं को यह पसंद नहीं है कि गांधी परिवार के अलावा कोई भी महिला लोकसभा एवं विधानसभा में नेतृत्व करें। देश की महिलाओं को लोकसभा व विधानसभाओं में उनका 33 प्रतिशत नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम लाया गया था। देशभर की मातृशक्ति में इस अधिनियम को लेकर काफी उत्साह था। लेकिन दुर्भाग्य का विषय है कि हमारी माता–बहनों की खुशी कांग्रेस व विपक्षी दल के महिला विरोधी राजनीतिक चरित्र के चलते साकार नहीं हो पाई। इण्डी गठबंधन ने इसमें अवरोध उत्पन्न करके नारी शक्ति के साथ घोर अन्याय करने का पाप किया है।

जिला पंचायत सदस्य कमला विनय नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए सदन में नारी शक्ति वन्दन अधिनियम पेश किया ताकि देश की महिलाएँ 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ लोकसभा एवं विधानसभाओं में नेतृत्व करे और विकसित भारत 2047 की संकल्पना को पूरा करने में सहभागी बने लेकिन कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों को यह नागवार गुजरा और अपने महिला विरोधी चरित्र को एक बार फिर से उजागर करते हुए इस अधिनियम का विरोध कर कांग्रेस ने इस अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज भी मातृशक्ति को केवल वोट बैंक समझती है।

सरपंच प्रमिला सुराना ने कहा कि नारी शक्ति वन्दन अधिनियम का विरोध कर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने न केवल इसे पारित होने से रोका बल्कि देश की आधी आबादी महिलाओं के अधिकारों का विरोध कर उनका हक छीना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व विपक्षी दल के महिला विरोधी रवैये से देश की मातृशक्ति रुष्ट है। भाजपा सरकार ने सदैव हर स्तर पर नारी के संवैधानिक अधिकारों व सम्मान की रक्षा की है। महिलाओं को उनका हक और अधिकार दिलाने के लिए भाजपा संकल्पित है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष राहुल असरानी ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण से जुड़े नारी शक्ति वन्दन अधिनियम सहित तीन विधेयक लोकसभा में लाए गए थे। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम को लेकर देशभर की महिलाओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा था। उन्हें तथा समाज के सभी वर्गों को विश्वास था कि यह विधेयक पारित हो जाएगा। लेकिन कांग्रेस के लोगों ने अपने मनगढ़ंत तर्कों व कुटिल सोच के साथ इस बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा महिलाओं का अपमान किया है।

सरपंच संध्या शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने महिला आरक्षण का विरोध करके देश की महिलाओं का अपमान किया है और देश की महिलाएँ अपने इस अपमान को सदैव याद रखकर कांग्रेस को सबक सिखाएंगीं।

23 अप्रैल को कैट एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन - कैट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेंद्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, राम मंधान, वासु मखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि 23 अप्रैल को कैट एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अग्निशमन के निर्देशक एवं आपातकालीन सेवाएं तथ एस.डी.आर.एफ. चन्द्रमोहन सिंह जी (भा.पु.से.) रहेगे।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि चंद्रमोहन सिंह (भा.पु.से.) निर्देशक, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआरएफ छत्तीसगढ़, अनिमा एस कुजूर, संभागीय सेनानी एवं नोडल अधिकारी एसडीआरएफ रायपुर संभाग रायपुर छत्तीसगढ़, पुष्पराज सिंह, जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नगर सेना रायपुर छत्तीसगढ़, लिलेश्वर सिंह राजपूत, निरीक्षक, स्टेशन प्रभारी, अग्निशामन केंद्र टिकरापारा रायपुर छत्तीसगढ़, के द्वारा कार्यशाला में अग्निशमन दुर्घटना में जनजागरण सुरक्षा संबधी जानकारी का प्रदर्शन करके दिखाया जायेगा।

श्री पारवानी ने आगे कहा कि अभी गर्मी चल रही है, जिससे कि दुकानों एवं गोदामों में आग लगने की घटनाएँ बढ़ जाती है। इस प्रकार के दुर्घटना से कैसे बचा जा सकता है। तथा इससे होने वाली हानि को कैसे रोका जा सकता है। कैट टीम सभी व्यापारियो से अपील करती है कि उपरोक्त कार्यशाला में जरूर पंहुचे और इसका लाभ उठाये।

चन्द्रमोहन सिंह (भा.पु.से.) से मुलाकात में कैट टीम के पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे :– परमानन्द जैन, राम मधंन, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं अमित गुप्ता आदि।

कैट के राष्ट्रीय टीम ने कैट के महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष मधु अरोरा को नेशनल को-ऑर्डिनेटर के रूप में सम्मानित किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, महिला प्रदेश महामंत्री श्रीमती पिंकी अग्रवाल एवं महिला प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा भट्ट प्रदेश उपाध्यक्ष पल्लवी मनोदेव गौडा ने बताया कि कैट के राष्ट्रीय टीम ने कैट के महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा को नेशनल को–ऑर्डिनेटर के रूप में सम्मानित किया गया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया कि दिनांक 17 एवं 18 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली स्थित हिंदी भवन में राष्ट्रीय महिला विंग का दो दिवसीय कार्यक्रम कैट ने राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री बी.सी. भारतिया जी एवं कैट के राष्ट्रीय महासचिव एवं चांदनी चौक नई दिल्ली के सांसद माननीय श्री प्रवीण खंडेलवाल जी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बीएसपी एवं रावघाट प्रबंधन को लेकर राजाराव बूढ़ादेव गोद ग्राम विकास समिति रावघाट का अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ

नारायणपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नारायणपुर जिला में भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन एवं रावघाट माइंस द्वारा लगातार की जा रही वादा खिलाफी को लेकर प्रभावित गांवों के ग्रामीणों में बढ़ता असंतोष अब खुलकर सामने आ गया है। आज तेलसी मोड़ क्षेत्र में राजाराव बूढ़ादेव गोद ग्राम विकास समिति रावघाट के बैनर तले ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू करते हुए अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया है। आंदोलन को परिवहन संघ और विभिन्न श्रमिक संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है।

राजाराव बूढ़ादेव गोद ग्राम विकास समिति रावघाट के पदाधिकारियों एवं प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि रावघाट क्षेत्र में खनन कार्य शुरू करने से पहले भिलाई इस्पात संयंत्र (क्रस्क) द्वारा खदान शुरू होने के समय करीब 900 स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का आश्वासन दिया गया था, जबकि अब तक लगभग 180 लोगों को ही काम मिल पाया है। उन्होंने मांग की है कि रावघाट प्रभावित क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को बीएसपी, माइनिंग कंपनियों और परिवहन कंपनियों में 100 प्रतिशत रोजगार कोटा दिया जाए। साथ ही बीएसपी और सेल की स्थायी भर्तियों में 10 प्रतिशत पद आरक्षित कर पहले प्रभावित गांवों, उसके बाद आसपास के गांवों और फिर जिले के अन्य युवाओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा सीएसआर और डीएमएफ फंड के माध्यम से स्थानीय युवक–युवतियों को नर्सिंग, आईटीआई, ड्राइविंग और माइनिंग से जुड़े प्रशिक्षण देकर हर वर्ष 100 से 200 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई है।

ग्रामीणों ने पर्यावरणीय नुकसान को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि माइंस से निकलने वाला लाल पानी खेतों और जल स्रोतों में मिल रहा है, जिससे कृषि भूमि प्रभावित हो रही है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। इसके साथ ही ग्राम सभाओं की अनुमति और वन अधिकार कानून के पालन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। उनका कहना है कि डीएमएफ की 70 प्रतिशत राशि सीधे प्रभावित ग्राम पंचायतों के विकास में खर्च की जाए और इसकी मासिक आय–व्यय रिपोर्ट समिति को लिखित रूप में दी जाए। साथ ही आगामी एक वर्ष की विस्तृत कार्ययोजना सार्वजनिक की जाए तथा क्षेत्र में डीएवी स्कूल और अस्पताल के निर्माण के लिए निगरानी समिति गठित कर जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

परिवहन व्यवस्था को लेकर भी वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों ने कई मांगें रखी हैं। इनमें रावघाट से अंतागढ़ तक सड़क परिवहन दर प्रति टन 910 रुपये निर्धारित करने, परिवहन का भुगतान हर माह की 5 तारीख तक सुनिश्चित करने तथा देरी होने पर 18 प्रतिशत ब्याज देने की मांग शामिल है। इसके अलावा रेल परिवहन शुरू होने के बाद भी सड़क मार्ग से कम से कम 40 प्रतिशत खनिज परिवहन जारी रखने और डीजल दरों के अनुसार परिवहन भाड़े में वार्षिक वृद्धि की मांग भी की गई है।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567, 93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- 1, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 22 अप्रैल 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित कर आधार पंजीयन एवं अद्यतन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आधार अपडेट के फायदे बताते हुए कहा कि इससे डिजिलॉकर में दस्तावेज सुरक्षित रखना आसान होगा तथा छात्रवृत्ति सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों को आसानी से मिल सकेगा। बैठक में आधार सेवा में आ रही तकनीकी समस्याओं एवं उनके त्वरित समाधान के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले में वर्तमान में 59 आधार केंद्र संचालित हैं। कलेक्टर ने लेफ्टआउट हितग्राहियों की पहचान कर उनका शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुंगेली एवं लोरमी में एक सप्ताह के भीतर नए आधार सेवा केंद्र प्रारंभ करने तथा ऐसे स्थानों पर केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए,

जहां आमजनों की अधिक आवाजाही हो।

कलेक्टर ने मुंगेली कलेक्टोरेट स्थित आधार सेवा केंद्र को व्यवस्थित एवं सुसज्जित करने तथा नगरपालिका कार्यालय में भी आधार सुविधा केंद्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार मशीनों की नियमित मॉनिटरिंग, डीएलएएमसी की भूमिका एवं जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन पर बल दिया। बैठक में कलेक्टर ने आधार ऑपरेटरों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित शुल्क से अधिक राशि लेने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आधार के नाम पर गरीबों से अतिरिक्त पैसे लेना पूरी तरह बंद किया जाए तथा सभी ऑपरेटरों से इस संबंध में शपथ पत्र लिया जाए। आधार केंद्रों में अनिवार्य रूप से सूचना बोर्ड एवं रेट कार्ड प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी आधार केंद्र यथासंभव शासकीय परिसरों में संचालित हों। साथ ही एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को प्रत्येक माह सीएससी केंद्रों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। आधार पंजीयन में धीमी प्रगति पर जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी करने तथा शैडो एरिया में नए सीएससी केंद्र खोलने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को आधार पंजीयन एवं अद्यतन के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि जिले में शत-प्रतिशत आधार कवरेज सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर ने बच्चों के आधार नामांकन एवं बायोमैट्रिक अपडेट को प्राथमिकता देने के साथ ही विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्माण, आधार पंजीयन एवं बायोमैट्रिक अपडेट की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार ऑपरेटरों की उपलब्धता, उनके प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए सेवा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दिया। साथ ही बच्चों के आधार नामांकन एवं बायोमैट्रिक अपडेट को शीघ्र शतप्रतिशत पूरा करने प्राचार्यों को सख्त निर्देश दिए।

श्रीरामलला दर्शन योजना- रायगढ़ जिले के 104 तीर्थयात्री अयोध्या धाम के लिए रवाना

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित रामलला दर्शन योजना के तहत रायगढ़ जिले से 104 तीर्थयात्रियों का 15वां जत्था आज अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 76 श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्रों से तथा 28 श्रद्धालु नगरीय क्षेत्र से शामिल हैं, जो इस धार्मिक यात्रा को लेकर अत्यंत उत्साहित नजर आए। रवाना होने से पूर्व सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके मंगलमय यात्रा की कामना की गई। पूरे वातावरण में भक्ति का माहौल देखने को मिला, जहां जय श्रीराम के जयघोष से परिसर गूंज उठा। श्रद्धालु पूरे उत्साह और आस्था के साथ अपने जीवन की इस विशेष यात्रा पर निकले। यात्रियों को रायगढ़ से बसों के माध्यम से बिलासपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया गया, जहां से वे विशेष रेलगाड़ी द्वारा अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किसी प्रकार की असुविधा न हो। रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत प्रत्येक तीर्थयात्री को नि:शुल्क यात्रा, भोजन एवं आवास की संपूर्ण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में व्यापक जागरूकता रैली व सम्मेलन आयोजित

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम रायगढ़ के प्रियदर्शी बाबा ऑडिटोरियम में आज नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया, जिसमें जिलेभर से बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ राज्य गीत एवं वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर देशभक्ति एवं नारी सम्मान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत से ही पूरे परिसर में जागरूकता, ऊर्जा और सहभागिता का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम से पूर्व शहर के डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए नारी शक्ति जिंदाबाद और नारी का सम्मान, देश का अभिमान जैसे नारों के माध्यम से समाज में जागरूकता का संदेश दिया। रैली कलेक्टोरेट परिसर से होते हुए ऑडिटोरियम तक पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने मिस कॉल एवं हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से भी प्रस्तावित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जिससे जनभागीदारी का सशक्त स्वर सामने आया।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रस्तावित नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह अधिनियम लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे महिलाओं की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ेगी और लोकतंत्र अधिक समावेशी एवं सुदृढ़ बनेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविन्द्र गबेल ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र की

वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। श्रीमती आशा त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के सम्मान और स्वाभिमान को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाया है और यह प्रस्ताव उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा। डॉ. ऋतु शर्मा ने कहा कि महिलाएं परिवार, समाज और राष्ट्र की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दिए जा रहे अधिकारों का सदुपयोग करते हुए महिलाओं को समाज के समग्र विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। श्रीमती शीला तिवारी ने कहा कि लंबे समय से महिलाओं के राजनीतिक आरक्षण की मांग की जा रही थी और यह प्रस्ताव उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इसे महिलाओं के सशक्तिकरण का सुनहरा अवसर बताते हुए इसके प्रति समर्थन व्यक्त किया। श्रीमती पूनम सोलंकी ने कहा कि यह पहल महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर चुकी हैं और अब उन्हें नेतृत्व के अवसर भी मिलेंगे।

वेदांता प्लांट हादसे पर सांसद ने केंद्र से मांगी उच्चस्तरीय जांच, मौतों का आंकड़ा 24 पहुंचा

जांजगीर-चांपा, प्रतिदिन राजधानी

सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए भीषण बॉयलर हादसे की जांच में अधिक गहराई और गंभीरता की मांग उठी है। जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मंसुख मांडविया, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है, साथ ही घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इधर, राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने बिलासपुर संभाग के आयुक्त को इस हादसे की जांच सौंपी गई है। जांच अधिकारी को 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।इस बीच, हादसे में घायल एक और श्रमिक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इसके साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। मृतक मनीष कुमार उत्तर प्रदेश निवासी है। कई अन्य घायल श्रमिक विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मालूम हो कि, 14 अप्रैल को प्लांट के बॉयलर यूनिट-एक में स्टीम पाइप से जुड़े वाटर सप्लाई पाइप के जॉइंट में तकनीकी खराबी के कारण यह हादसा हुआ।

पी.एम. केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना: 23 वर्ष की आयु पर मिलेगी 10 लाख की सहायता, रायगढ़ में आयोजित हुआ विशेष प्रशिक्षण

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

पी.एम. केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत लाभान्वित बच्चों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में आज वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण इकाई, मिशन वात्सल्य कार्यालय में संपन्न हुआ।

इस योजना के अंतर्गत उन बच्चों को सहायता प्रदान की जाती है, जिन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खो दिया है। ऐसे बच्चों को 23 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी, ताकि वे अपने भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बना सकें। इस बड़ी राशि के बेहतर उपयोग के उद्देश्य से बच्चों को पहले से वित्तीय प्रबंधन की जानकारी देने हेतु यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा पर मिला मार्गदर्शन, बच्चों को आत्मनिर्भर बनने की सीख

कार्यक्रम में रायगढ़ जिले के चार हितग्राही-आशा चौहान, देवमती राठिया, मनीषा राठिया और साहिल उरांव ने भाग लिया और विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अग्रणी बैंक प्रबंधक कमल किशोर सिंह ने बच्चों को सुरक्षित निवेश के विभिन्न विकल्पों जैसे मंथली इनकम प्लान, फिक्स्ड डिपॉजिट और बीमा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए सुरक्षा उपायों पर जोर दिया और हेल्पलाइन नंबर 1930 के उपयोग के बारे में बताया। वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता राज कुमार शर्मा ने बच्चों को अपने वित्तीय की गोपनीयता बनाए रखने, आय-व्यय का संतुलित बजट तैयार करने तथा साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज के बीच का अंतर समझाया। परामर्शदाता अखिलेश बरेठ द्वारा साइबर सुरक्षा एवं वित्तीय जागरूकता से संबंधित ज्ञानवर्धक वीडियो प्रस्तुत किए गए।

दुष्कर्म मामले में उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने अपील खारिज की

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने दुष्कर्म के एक मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को चुनौती देने वाली अपील को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की पीठ ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को विधिसम्मत बताते हुए सजा को यथावत रखा।

पीठ ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों, ट्रायल कोर्ट के निर्णय और दोनों पक्षों की दलीलों का परीक्षण करने के बाद पाया कि आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त और ठोस साक्ष्य मौजूद हैं। न्यायालय के अनुसार, सजा में किसी प्रकार की कानूनी त्रुटि या खामी नहीं है, इसलिए हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता।

अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय और भरोसेमंद प्रतीत होती है, तो उसे स्वीकार किया जा सकता है, भले ही हर पहलू का स्वतंत्र पुष्टिकरण उपलब्ध न हो। छोटे-मोटे विरोधाभासों के आधार पर अभियोजन के मामले को खारिज नहीं किया जा सकता। यदि आवश्यक हो, तो सहायक साक्ष्य के जरिए गवाही को पुष्ट किया जा सकता है।

लू की चेतावनी: दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचें

स्वास्थ्य विभाग की आम नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील

अम्बिकापुर,, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले में लगातार बढ़ते तापमान एवं आगामी दिनों में हीट वेव (लू) की संभावित स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग, जिला सरगुजा द्वारा आम नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है।

अप्रैल एवं मई के दौरान तापमान में वृद्धि के साथ लू का प्रभाव बढ़ने की संभावना जताई गई है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सरगुजा द्वारा जारी अपील में नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अनावश्यक रूप से तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। विशेष रूप से दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे के बीच अत्यधिक आवश्यकता न होने पर घर से बाहर न निकलें। यदि बाहर जाना आवश्यक हो, तो सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर ही निकलें।

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी तेजी से हो सकती है, इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के साथ-साथ ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी गई है। हल्के रंग के ढीले एवं सूती वस्त्र पहनना भी लाभदायक बताया गया है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पूर्व से बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता बताई गई है। नोडल अधिकारी, जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य ने जानकारी दी कि लू लगना एक चिकित्सकीय आपात स्थिति है, जो शरीर के अत्यधिक गर्म होने एवं तापमान नियंत्रण प्रणाली के प्रभावित होने के कारण होती है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार (40 डिग्री सेल्सियस या अधिक), लाल व गर्म त्वचा, पसीना कम आना, सिरदर्द, चक्कर, घबराहट, कमजोरी, उल्टी तथा अचेतावस्था शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि इन दिनों हीट हेडेक यानी गर्मी से संबंधित सिरदर्द की समस्या भी बढ़ सकती है।

मुआवजा प्रकरणों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

अम्बिकापुर,, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने मैनपाट में बॉक्साईड खनन के सम्बन्ध में मुआवजा प्रकरणों की जानकारी ली तथा कहा कि लापरवाही पर जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मुआवजा प्रकरणों में पारदर्शिता रखने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस दौरान उन्होंने जनगणना 2026 के कार्यों की जानकारी ली तथा कहा कि स्व गणना हेतु लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने खेल अधिकारी को खेल सुविधाओं के विकास के सम्बन्ध में अधोसंरचना निर्माण हेतु चिन्हांकित खेलों हेतु आवश्यक एस्टिमेट तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वसंत ने बैठक में वनाधिकार पट्टों के नामांतरण के विशेष प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली तथा गम्भीरता के साथ जल्द से जल्द निराकरण सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

उन्होंने जाति प्रमाणपत्र निर्माण माह तक शत-प्रतिशत निर्माण पूर्ण करने कहा। उन्होंने जिले में लंबित पीजी पोर्टल, सीएम जनदर्शन के प्रकरणों के जल्द निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई तथा समय सीमा में लंबित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाने निर्देश दिए गए।

महाशिविर ज्वाल में सेवा, अनुशासन व राष्ट्र समर्पण का संदेश

अम्बिकापुर,, प्रतिदिन राजधानी

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ सरगुजा के तत्वावधान में श्री साईं बाबा डे बोर्डिंग स्कूल, सरगवा (अंबिकापुर) में आयोजित बेसिक स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन प्रशिक्षण शिविर के छठवें दिन 'महाशिविर ज्वाल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 13 से 19 अप्रैल तक आयोजित किया गया, जिसमें सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन कमिश्नर डॉ. दिनेश कुमार झा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर में 45 स्काउटर एवं 57 गाइडर सहित कुल 102 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। इनके मार्गदर्शन के लिए 10 प्रशिक्षक, 11 जिला स्तरीय स्टाफ तथा 12 रोवर-रेंजर सहित कुल 135 सदस्य सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। शिविर का संचालन अनुभवी प्रशिक्षक मंडल के निर्देशन में सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है।

सायंकाल आयोजित 'महाशिविर ज्वाल' कार्यक्रम के दौरान प्रज्वलित अग्नि के समक्ष स्काउटर-गाइडर ने सेवा, अनुशासन, त्याग एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने

संकल्प को दोहराया। इस दौरान वातावरण में देशभक्ति और समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दिनेश कुमार झा ने कहा कि स्काउटिंग केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित और उद्देश्यपूर्ण बनाने वाली जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि शिक्षक यदि स्काउटिंग के मूल्यों को अपनाते हैं, तो वे विद्यार्थियों को सही दिशा देने के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए पंथी, सुआ एवं करमा जैसे पारंपरिक लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी, जिसने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

नशे का अवैध कारोबार, 3 आरोपियों को 10-10 साल की सजा, एक-एक लाख का जुर्माना

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) न्यायालय सूरजपुर ने तीन आरोपियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 1-1 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार, 7 फरवरी 2025 को लटोरी चौकी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम तुलसी नाला के पास घेराबंदी कर विकास सिंह राणा (30 वर्ष), सूरज सिंह (20 वर्ष) एवं आशीष सिंह उर्फ गोलू (30 वर्ष), सभी निवासी ग्राम केनाबांध थाना कोतवाली अंबिकापुर को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने ऑनरेक्स कफ सिरप की 1000 बोतलें बरामद की थीं। मामले में एक विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक को भी पकड़ा गया था, जिसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस संबंध में चौकी लटोरी, थाना जयनगर में अपराध क्रमांक 55/2025 के तहत धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। प्रकरण के विवेचक एएसआई अरुण गुप्ता द्वारा सशक्त साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) मानवेन्द्र सिंह की अदालत में हुई। न्यायालय ने 17 अप्रैल 2026 को अपने निर्णय में गवाहों के बयान, एफएसएल रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों को दोषी पाते हुए 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1-1 लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

6 तहसीलदारों के तबादले, कई अफसरों को नई जिम्मेदारियां

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिले में तहसीलदारों की पदस्थापना में व्यापक फेरबदल किया है। इस संबंध में आदेश 20 अप्रैल को जारी किया गया, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इस फेरबदल के तहत छह तहसीलदारों को नई तहसीलों में पदस्थ किया गया है, वहीं अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारियों के कार्य विभाजन में भी आंशिक संशोधन किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार उमेश्वर बाज, तहसीलदार अंबिकापुर को मैनपाट का तहसीलदार बनाया गया है। श्रीमती तारा सिदार, तहसीलदार मैनपाट को उदयपुर, विकास जिंदल, तहसीलदार उदयपुर को अंबिकापुर, अमन चतुर्वेदी, तहसीलदार दरिमा को लखनपुर, अंकिता पटेल, तहसीलदार लखनपुर को बतौली तथा कमलावती सिंह, तहसीलदार बतौली को दरिमा का तहसीलदार नियुक्त किया गया है।

इसी क्रम में रामसिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/दंडाधिकारी सीतापुर को अपर कलेक्टर अंबिकापुर पदस्थ करते हुए जिला कार्यालय में डिप्टी कलेक्टर रामराज सिंह को आबंटित सभी कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। वहीं जे. आर. सतरंज, डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/दंडाधिकारी धौरपुर को जिला कार्यालय में कलेक्टर द्वारा सौंपे गए कार्यों का दायित्व दिया गया है। विनय कुमार सोनी, अपर कलेक्टर एवं वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अंबिकापुर को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ धौरपुर अनुविभाग में अनुविभागीय अधिकारी, अनुविभागीय दंडाधिकारी तथा पंजीयन लोक न्यास का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। फागेश सिन्हा, डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी दंडाधिकारी अंबिकापुर को सीतापुर अनुविभाग का प्रभार दिया गया है। बनसिंह नेताम, डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी उदयपुर दंडाधिकारी को अंबिकापुर अनुविभाग में अनुविभागीय अधिकारी, अनुविभागीय दंडाधिकारी तथा पंजीयन लोक न्यास का प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही उन्हें सिटी कलेक्टर सरगुजा के प्रतिनिधि के दायित्व भी दिया गया है। वहीं अंबिकापुर को उदयपुर अनुविभाग में अनुविभागीय अधिकारी, अनुविभागीय दंडाधिकारी तथा पंजीयन लोक न्यास का प्रभार सौंपा गया है।

राष्ट्रपति ने राउरकेला में तारामंडल एवं विज्ञान केंद्र, निर्मल मुंडा परिवेश पथ, जनजातीय संग्रहालय और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा के राउरकेला में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में तारामंडल और विज्ञान केंद्र तथा निर्मल मुंडा परिवेश पथ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने राउरकेला में जनजातीय संग्रहालय और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का भी उद्घाटन किया।

सार्वजनिक समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि सुंदरगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, लोक संस्कृति और विरासत में एक अनूठा आकर्षण है। इसके घने जंगलों, पहाड़ों, झरनों और नदियों का आकर्षण असीम है। सुंदरगढ़ की कला और संस्कृति ने ओडिशा की सांस्कृतिक समृद्धि को और भी समृद्ध किया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सुंदरगढ़ साहसी व्यक्तियों और खेल प्रेमियों की भूमि भी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों के लोग रोजगार और आजीविका के उद्देश्य से राउरकेला में निवास करते हैं। इस महानगरीय शहर ने ओडिशा की कला, साहित्य, संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और खेलों को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र का विकास समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के माध्यम से ही संभव है। इसी सोच के साथ केंद्र और राज्य सरकारें आदिवासी कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं पर सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। इसके साथ ही आदिवासी समुदायों के सदस्यों के आर्थिक उत्थान को प्राथमिकता दी जा रही है। परिणाम स्वरूप सुंदरगढ़ जैसे आदिवासी बहुल जिलों में विकास की गति तेज हो रही है।

राष्ट्रपति ने जनता को राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने की सलाह दी। उन्होंने लोगों को आगे बढ़ने और दूसरों को भी आगे बढ़ने में सहायता करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से अच्छे इंसान बनने और पिछड़े हुए लोगों के उत्थान के लिए प्रयास करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक एक विकसित भारत बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इसी प्रकार, 2036 में ओडिशा राज्य के गठन के सौ वर्ष पूरे हो जाएंगे। विकसित ओडिशा और विकसित भारत के निर्माण के लिए सर्वांगीण विकास और समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों की भागीदारी आवश्यक है। विकसित भारत का निर्माण देश के किसानों, मजदूरों, आदिवासी समुदायों, वंचित वर्गों, बुद्धिजीवियों, युवाओं और छात्रों के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण आबादी के सामूहिक प्रयासों और समर्पण से ही संभव होगा।

नए आयकर कानून 2025 के मुख्य प्रावधानों पर केंद्रित रहा आयकर विभाग का जागरूकता कार्यक्रम

शैक्षिक संस्थानों से जुड़े न्यासियों और पदाधिकारियों के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 80 से ज्यादा विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने की भागीदारी

नई दिल्ली। दिल्ली के आयकर आयुक्त (रियायत) ने वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और नए आयकर कानून 2025 के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से आज नई दिल्ली में एक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम खास तौर से शैक्षिक संस्थानों और धर्मार्थ न्यासों से संबंधित प्रावधानों पर केंद्रित था।

कार्यक्रम में शैक्षिक संस्थानों से जुड़े न्यासियों और पदाधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 80 से ज्यादा विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त ((रियायत) सुश्री पल्लवी अग्रवाल उपस्थित हुईं। सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने 'आयकर अधिनियम, 2025' की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला

और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह नया कानून प्रक्रियाओं को सरल बनाने, अस्पष्टताओं को दूर करने और सुव्यवस्थित तथा प्रौद्योगिकी-आधारित प्रक्रियाओं के माध्यम से पारदर्शिता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जो सरकार के ₹विकसित भारत 2047₹ के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

उपराष्ट्रपति ने मेरठ में आईआईएमटी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

- उपराष्ट्रपति ने स्नातकों को संबोधित करते हुए उन्हें रोजगार सृजनकर्ता और नवाचार का प्रेरक बनने का आग्रह किया
- उपराष्ट्रपति ने कहा : 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में भारत के युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज मेरठ स्थित आईआईएमटी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर न केवल एक शैक्षणिक यात्रा के पूरा होने का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता की शुरुआत का भी प्रतीक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे एक ऐसे भारत में कदम रख रहे हैं जो तेजी से विकसित हो रहा है और अवसरों से भरपूर है। उन्होंने बुनियादी ढांचे और विकास की अभूतपूर्व पहलों वाले वर्तमान क्षण को राष्ट्र के इतिहास का एक निर्णायक दौर बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा : युवाओं को अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़ना चाहिए

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस वर्ष की शुरुआत में उद्घाटन की गई नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो को आधुनिक, कुशल और टिकाऊ कनेक्टिविटी का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे छात्रों और पेशेवरों दोनों के लिए विकास के नए रास्ते खुल रहे हैं।

विकसित भारत की परिकल्पना पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह परिकल्पना एक राष्ट्रीय मिशन है और इसके लिए युवाओं की ऊर्जा, रचनात्मकता और प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत की भावना इस परिवर्तनकारी यात्रा का मूल आधार है।

छात्रों से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का आग्रह करते हुए, उपराष्ट्रपति ने राष्ट्र निर्माण में योगदान देने, सत्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवा के मूल्यों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया कि विकास समावेशी, टिकाऊ और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में निहित रहे।

छात्रों को व्यक्तिगत सफलता से परे सोचने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने उन्हें अपनी महत्वाकांक्षाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप ढालने की सलाह दी। उन्होंने उनसे रोजगार चाहने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे नवाचार को अपनाने, स्थानीय उद्योगों का समर्थन करने और स्वदेशी समाधानों को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना आर्थिक विकास से परे है और इसमें समावेशी विकास शामिल है जो प्रत्येक गांव और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोहों में अकादमिक सम्मान और पदक प्राप्त करने वालों की संख्या में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने इसे दृढ़ संकल्प, अनुशासन और सहायक परिवेश द्वारा संचालित सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां नए मानदंड स्थापित कर रही हैं और आने वाली पीढ़ियों को अधिक समावेशी और प्रगतिशील भारत की ओर प्रेरित कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार में पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह; राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी; आईआईएमटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगेश मोहन गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारतीय नौसेना की आईओएस सागर पहल के तहत आईएनएस सुनयना जकार्ता पहुंची, इंडोनेशिया के साथ समुद्री संबंध में और भी अधिक मजबूती

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का आईओएस सागर पहल के तहत तैनात एक ऑफशोर पेट्रोलिंग पोत आईएनएस सुनयना 21 अप्रैल, 2026 को जकार्ता, इंडोनेशिया पहुंचा। यह हिंद महासागर क्षेत्र में इसके परिचालन के दौरान तीसरे बंदरगाह पर आगमन था।

जहाज में 16 मित्र देशों के बहुराष्ट्रीय दल सवार थे। आगमन से पहले इसने संकरे मलक्का और सिंगापुर जलडमरूमध्य को पार किया, जो अंतरसंचालनीयता और नौवहन दक्षता के उच्च मानकों को दर्शाता है।

आईओएस सागर, भारत के महासागर (क्षेत्रीय क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है और ₹साझेदारी के माध्यम से नेतृत्व, एकता के माध्यम से शक्ति और शांति के माध्यम से प्रगति₹ के लोकाचार को समाहित करता है। मिशन ने 16 से 29 मार्च, 2026 तक भारत में अपना बंदरगाह चरण पूरा कर लिया है और वर्तमान में समुद्री चरण (अप्रैल-मई 2026) में प्रगति कर रहा है, जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र के कई मित्र देशों के बंदरगाह का भ्रमण शामिल है।

जकार्ता में ठहराव के दौरान, जहाज इंडोनेशियाई नौसेना (टीएनआई एएल) के साथ पेशेवर, सामाजिक और खेल संबंधी गतिविधियों में भाग लेगा। आईएनएस सुनयना के कमांडिंग ऑफिसर ने कोडेरल III (नौसेना क्षेत्रीय कमान III) के वरिष्ठ नेतृत्व से मुलाकात की। नियोजित गतिविधियों में पेशेवर आदान-प्रदान, संयुक्त योग सत्र, खेल आयोजन, हितधारकों द्वारा जहाज का दौरा और डेक पर स्वागत समारोह शामिल हैं।

भारतीय नौसेना उत्कृष्टता और नवाचार का उत्सव मनाने के लिए नौसैनिक नागरिक समारोह का आयोजन करेगी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 23 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में नौसेना नागरिक समारोह का आयोजन करेगी । यह समारोह भारतीय नौसेना के अभियानों के सफलता पूर्वक पूरा करने में नौसेना सिविलियंस (वे लोग होते हैं जो भारतीय नौसेना का हिस्सा होते हैं लेकिन वर्दीधारी सैनिक नहीं होते) के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ मुख्य अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में नौसेना मुख्यालय, कमान मुख्यालय और विभिन्न इकाइयों द्वारा प्रशासनिक दक्षता को उच्चस्तरीय करने, डिजिटल परिवर्तन को गति देने और प्रशिक्षण एवं कल्याणकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए की गई प्रमुख पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। पिछले एक वर्ष में, मानव संसाधन प्रबंधन को सुदृढ़ करने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार करने और समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। इनमें पदोन्नति को सुव्यवस्थित करने के लिए नीतियों का क्रियान्वयन, जटिल दिशा-निर्देशों के विषय में स्पष्टीकरण जारी करना और तबादलों तथा समय से पहले पदोन्नति को विनियमित करना प्रमुख हैं। इसके अलावा, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए आभार समारोह का शुभारंभ और पात्र कर्मचारियों को समय पर एमएसीपी (संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति) और एनएफयू (गैर-कार्यात्मक उन्नयन) प्रदान करना भी शामिल है। भर्ती नियमों को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित और अद्यतन करने, कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करने और कल्याणकारी पहलों को लागू करने के प्रयास भी किए गए हैं। इन प्रयासों में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, भारतीय स्टेट बैंक के साथ केंद्रीय सरकारी वेतन पैकेज (सीजीएसपी) खातों के लिए और बजाज आलियांज के साथ जीवन बीमा कवरेज के लिए समझौता ज्ञापन, साथ ही कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन शामिल है।

सिविल सेवा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में कृषि पर पैनल चर्चा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की सहभागिता

किसान को कर्ज नहीं, भरोसा और सरल व्यवस्था चाहिए- शिवराज सिंह चौहान

- KCC के साथ प्रक्रियाओं का सरलीकरण और मानवीय व्यवहार भी जरूरी- चौहान
- तकनीक उपयोगी है लेकिन उसकी सीमाएं समझना भी उतना ही आवश्यक- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों को साहूकारी, ऊंचे ब्याज, जटिल कर्ज प्रक्रिया और असंवेदनशील व्यवस्था से राहत दिलाने के लिए कृषि वित्त तंत्र को और अधिक सरल, व्यावहारिक, मानवीय और परिणामोन्मुख बनाना होगा। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) ने किसानों को राहत दी है, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग हो, बैंकिंग व्यवस्था ग्रामीण जरूरतों के अनुरूप मजबूत बने, योजनाएं जमीन पर व्यावहारिक रूप से लागू हों और छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत खेती जैसे मॉडल को आगे बढ़ाया जाए।

सिविल सेवा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में कृषि पर आयोजित पैनल चर्चा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उनका बचपन गांव में बीता है और उन्होंने बहुत करीब से देखा है कि पहले गांवों में किस तरह ब्याज पर पैसा देने का धंधा चलता था। जरूरतमंद लोग बर्तन, जेवर, जमीन या घर का सामान गिरवी रखकर पैसा लेते थे और फिर ब्याज का कोई ठिकाना नहीं होता था; इसलिए आज की जरूरत किसानों को इस शोषणकारी चक्र से बाहर निकालने की है। उन्होंने कहा कि KCC और बैंकिंग ऋण सुविधाओं ने किसानों को राहत पहुंचाई है, ट्रैक्टर, सिंचाई, बीज और दूसरी जरूरतों के लिए ऋण मिलने से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है लेकिन उन्होंने यह भी साफ कहा कि बैंक से ऋण लेना आज भी गांवों में आसान नहीं है क्योंकि किसान को कागजों, अभिलेखों, तहसील, पटवारी और कई स्तरों की प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है इसलिए ऋण प्रक्रिया का सरलीकरण बहुत जरूरी है।

व्यवस्था में संवेदना और संतुलन दोनों होने चाहिए

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि व्यवस्था में संवेदना और संतुलन दोनों होने चाहिए, क्योंकि संवेदना तभी आती है जब हम दूसरे को अपना मानते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार कुर्सी पर बैठा व्यक्ति सामने

वाले किसान को तुच्छ समझने लगता है, जबकि किसान कोई याचक नहीं है; वह अपने हक, जरूरत और सम्मान के साथ व्यवस्था के पास आता है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक किसान बच्चों की पढ़ाई के लिए कस्बे में मकान बनाकर कर्ज में फंस गया। 18 लाख रुपये का ऋण ब्याज बढ़ते-बढ़ते 40 लाख रुपये तक पहुंच गया, तब वह अपने बच्चों को लेकर मदद की गुहार लगाने आया; इस पर उन्होंने बैंक से बात कर वन टाइम सेटलमेंट के जरिए राहत देने जैसे व्यावहारिक समाधान पर विचार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि तकनीक का बेहतर उपयोग जरूरी है, लेकिन उसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गेहूं खरीद के दौरान कई जगह सैटेलाइट सत्यापन में गड़बड़ी जैसी स्थिति आई, जिसके कारण किसान परेशान होते रहे; इसलिए तकनीक की सीमाओं को समझते हुए कृषि विभाग, नाबार्ड, आरबीआई और संबंधित संस्थाओं को मिलकर बेहतर और व्यावहारिक व्यवस्था पर काम करना चाहिए।

शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण बैंकों और शाखाओं में कर्मचारियों की कमी की बात कहते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में योजनाओं का दबाव बहुत अधिक है, खातों में सीधे भुगतान की संख्या बढ़ी है, मनरेगा की मजदूरी, किसान सम्मान निधि और अन्य रकम सीधे खाते में आती है, लेकिन सीमित बैंक कर्मियों पर इतना काम रहता है कि वे कई बार ढंग से सेवा नहीं दे पाते; इसलिए वर्तमान जरूरतों के अनुसार बैंक स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता पर गंभीर विश्लेषण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान कई बार 8 से 10 किलोमीटर चलकर बैंक पहुंचता है, लेकिन लंबी लाइन और सीमित स्टाफ के कारण उसका काम नहीं हो पाता। ऐसे में उसका समय, श्रम और रोज़ी- तीनों प्रभावित होते हैं; इसलिए काम के दबाव और जरूरत के हिसाब से मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

प्रगतिशील किसानों को अधिक वित्तीय सहयोग देने पर विचार जरूरी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि केवल KCC हर समस्या का समाधान नहीं है। यदि किसान बागवानी, शिमला मिर्च, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस, ड्रिप या स्प्रिंकलर जैसी उन्नत खेती करना चाहता है, तो उसके लिए अधिक निवेश की जरूरत होती है; उन्होंने कहा कि एक एकड़ में शिमला मिर्च जैसी फसल पर डेढ़ से दो लाख रुपये तक खर्च आ सकता है और किसान तीन से चार लाख रुपये प्रति एकड़ तक कमा भी सकता है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि शुरुआती निवेश के लिए उसके पास पूंजी और जानकारी है या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार सब्सिडी देती है, लेकिन सबको नहीं दे सकती, क्योंकि उसकी एक सीमा होती है, इसलिए प्रगतिशील किसानों को अधिक वित्तीय सहयोग कैसे दिया जाए, इस पर विचार जरूरी है, ताकि वे नई तकनीक, उन्नत खेती और उच्च मूल्य वाली कृषि गतिविधियों की ओर बढ़ सकें।

छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर जोर

शिवराज सिंह चौहान ने छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक-दो या ढाई एकड़ वाले छोटे किसान की आजीविका केवल अनाज पर नहीं चल सकती; उसे फल, सब्जी, पशुपालन, बकरी पालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन जैसी दो-चार गतिविधियां साथ लेकर चलनी होंगी, तभी उसकी आय स्थायी रूप से बढ़ सकेगी। उन्होंने कहा कि यदि किसान गाय-भैंस पालना चाहता है, अच्छी नस्ल का पशु लेना चाहता है, मछली पालन करना चाहता है, तो उसके लिए भी पूंजी चाहिए। इन क्षेत्रों में KCC लागू होने के बावजूद लाभार्थियों की संख्या सीमित है, इसलिए विभिन्न योजनाओं और संसाधनों के कन्वर्जेंस के जरिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग को सफल और व्यवहारिक बनाना आवश्यक है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 22 अप्रैल 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

महिला आरक्षण के विरोधी राजनीतिक दलों को महिलाएं ही देंगी जवाब : बड़ौली

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मंगलवार को कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां संशोधन) विधेयक को संसद में गिराने वाले राजनीतिक दलों को महिलाएं जवाब देंगी। देश में जो भी चुनाव होगा, इन दलों को खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

दिल्ली के हरियाणा भवन में पत्रकार वार्ता में मोहनलाल ने कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और उन राजनीतिक दलों पर निशाना साधा, जिन्होंने संसद में इसे पास नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। यह हमारी माताओं, बहनों को राजनीति में भागादारी मिलने का बहुत बड़ा अवसर था, इस विधेयक को कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी जैसे राजनीतिक दलों ने गिराने का काम किया। ऐसा करके ये दल हमारे देश की आधी आबादी की नजरों से गिरे हैं। ऐसा करने वाले दलों को हमारी माताएं, बहनें माफ नहीं करेंगी, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास को याद रखेंगी। मोदी ने महिला आरक्षण बिल पास करवाने का काम किया था। इसी तरह यदि नारी वंदन अधिनियम पास होता तो महिलाओं का 40 वर्षों का इंतजार खत्म होता और उन्हें राजनीतिक अधिकार मिलता।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि विपक्षी दलों ने नारी वंदन अधिनियम के साथ–साथ परिसीमन विधेयक को गिराने का काम भी किया है।

भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित, भावना कुकरेजा बनीं कोषाध्यक्ष

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी वर्ष 2026 के लिए घोषित कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशानुसार एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय के मार्गदर्शन में, संभाग प्रभारी अखिलेश सोनी, सह–संभाग प्रभारी डॉ. राजीव सिंह तथा जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा की सहमति से यह सूची जारी की गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर की अनुशंसा पर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती कृतिका जैन ने जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें श्रीमती भावना कुकरेजा को महिला मोर्चा का जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

भावना कुकरेजा की नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत के पदाधिकारियों सहित कई सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बधाई देने वालों में श्रीचंद्र सुंदरानी, सतीश थौरानी, अमर गिदवानी, राशि बलवानी, जितेंद्र बड़वानी, राधा कृष्ण सुंदरानी, राजेश वासवानी, चंदर विधानी, राजेश गुरनानी, अशोक मलानी , दिनेश आनंद अठवानी, किशोर आहूजा, गोविंद वाधवानी, सुदेश मध्यान, दिलीप इसरानी तथा युवा विंग से महेश आहूजा, दिनेश सुंदरानी एवं जीतू शादीजा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

नव नियुक्त कोषाध्यक्ष भावना कुकरेजा ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करेंगी तथा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करेंगी।

छग चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं राजहरा व्यापारी संघ प्रतिनिधिमंडल ने डीआरएम से की मुलाकात

डीआरएम ने कहा–नहीं टूटेगा कोई घर या दुकान समस्याओं के समाधान हेतु बनेगी विशेष टीम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एवं राजहरा व्यापारी संघ प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर डीआरएम महोदय से मुलाकात कर राजहरा रेलवे की समस्याओं की जानकारी दी पूरे राजहरा को उजाड़ने से बचने के लिए उनसे आग्रह किया गया उन्होंने हमारी बात सुनकर जवाब दिया नहीं टूटेगी कोई दुकान या घर आप निश्चिंत रहे । सबको किया जाएगा नियमित।

रेलवे एक टीम बनाकर राजहरा में कैंप करेगी और वहां लोगों की समस्या से निदान करने का प्रयास करेगी। इसलिए आप निश्चिंत रहें नोटिस के आधार पर कोई भी तोड़फोड़ नहीं होगी। आभार धन्यवाद डी आर एम महोदय जिन्होंने राजहरा नगर वासियों की इस बड़ी समस्या का निदान करने का विचार किया है। साथी छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष आदरणीय सतीश थौरानी जी रायपुर संभाग के प्रभारी कार्यकारी अध्यक्ष आदरणीय जसप्रीत सलूजा जी आदरणीय लोकेश जैन जी जीतू शादिजा जी का आभार आज की बैठक में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रमुख सलाहकार गोविंद वाधवानी जिला मंत्री स्वाधीन जैन दल्ली राजहरा नगर इकाई अध्यक्ष अमित कुकरेजा सर्राफा व्यापारी संघ अध्यक्ष राजू सोनी जी राजहरा व्यापारी संघ के प्रमुख सलाहकार सतीश कामले जी उपस्थित थे।

Capital Premier League 2026: GK Fighters बनी विजेता, GK TMT ने फाइनल में दर्ज की शानदार जीत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जेसआई रायपुर कैपिटल द्वारा आयोजित सिग्नेचर स्पोर्ट्स इवेंट कैपिटल प्रीमियर लीग (CPL) 2026 का सफल एवं भव्य आयोजन 18 एवं 19 अप्रैल को सुभाष स्टेडियम, रायपुर में किया गया। यह टूर्नामेंट उत्साह, खेल भावना और आपसी एकता का अद्भुत उदाहरण बनकर सामने आया।

इस लीग की सबसे खास बात यह रही कि इसमें 7 वर्ष के बच्चों से लेकर 70 वर्ष तक के अनुभवी सदस्यों ने भाग लिया, जिससे यह आयोजन हर आयु वर्ग के लिए प्रेरणादायक और यादगार बन गया। महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ सदस्यों के विशेष मैच भी आयोजन का मुख्य आकर्षण रहे, जिन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए GK Fighters टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। इस टीम के ओनर श्री राजेश अग्रवाल (GK TMT) हैं। वहीं समृद्धि स्टार्स टीम (ओनर: जेसी फणिक सिंह) उपविजेता रही तथा एमएम स्कूल टीम (ओनर: जेसी मयूर ठौरानी) ने द्वितीय उपविजेता का स्थान प्राप्त किया।

व्यक्तिगत उपलब्धियों में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जेसी डॉ. सौरभ जैन को प्रदान किया गया, जबकि फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जेसी सीए रोमिल जैन को दिया गया।

स्टार परफॉर्मर्स में जेसी फणिक सिंह, जेसी तेज कुमार नायक, जेसी पंकज अग्रवाल, जेसी गौरव कोटाडिया के साथ–साथ जेसी रविंदर सिंह एवं श्री राकेश कंसारी ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर TTK Prestige एवं Powered By Navkar Jewelers रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम को भव्यता और सफलता मिली।

कार्यक्रम का सफल संचालन जेसआई रायपुर कैपिटल के अध्यक्ष जेसी सूरज अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया, जिनके मार्गदर्शन में यह आयोजन उच्च स्तर पर संपन्न हुआ।

अंत में, यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने, टीम भावना को बढ़ावा देने और संगठनात्मक एकता को सुदृढ़ करने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ।

गुजरात एटीएस ने देश विरोधी साजिश रचने वाले दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात एटीएस ने साजिश रचने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों आरोपितों के पास से आपत्तिजनक साहित्य, संदिग्ध बातचीत और आतंकी गतिविधियों से जुड़ी जानकारी बरामद हुई है, जिसकी गहन जांच की जा रही है।

गुजरात एटीएस के पीएसआई एपी परमार ने बताया कि उनको खुफिया सूचना मिली थी कि सिद्धपुर में रहने वाला 22 वर्षीय युवक इरफान पठान इस्लामी कट्टरपंथी विचारधारा रखता है और अपने साथियों के साथ मिलकर भारत में गजवा–ए–हिंद स्थापित करने के लिए हमले की साजिश रच रहा है। आरोपित फिलहाल फंड इकट्ठा करने और बम बनाने की तैयारी भी कर रहा है। इसी आधार पर एटीएस ने अलग–अलग टीमें बनाकर इरफान को सिद्धपुर से गिरफ्तार कर लिया। पाटन जिला के सिद्धपुर निवासी 22 वर्षीय इरफान कालेखान पठान को पहले गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि वह कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के जरिए आईएसआईएस सहित अन्य आतंकी

संगठनों के संपर्क में था।

एपी परमार ने बताया कि पूछताछ और मोबाइल फोन की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इरफान अपने साथी मुर्शिद जाहिद अख्तर शेख (21), निवासी साकीनाका, मुंबई के साथ मिलकर देश में गजवा–ए–हिंद स्थापित करने, राजनीतिक नेताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को निशाना बनाने और शरीयत लागू करने की साजिश रच रहा था। मुर्शिद मुंबई में चिकन बिरयानी का होटल चलाता है।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित पिछले करीब 6 महीनों से इस साजिश में सक्रिय थे और सोशल मीडिया के माध्यम से समान विचारधारा वाले युवाओं को जोड़कर अपना नेटवर्क तैयार कर रहे थे। वे पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हथियार मंगाने, फंड इकट्ठा करने और आरडीएक्स सहित अन्य बम बनाने की ट्रेनिंग लेने की तैयारी में थे।

ईंधन-उर्वरक आपूर्ति सामान्य, अफवाहों से बचें : अजय कुमार श्रीवास्तव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव के बीच छत्तीसगढ़ में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और उर्वरकों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ढ्ढह्रष्टरु) के मुख्य महाप्रबंधक (मध्य प्रदेश–छत्तीसगढ़) अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में सभी आवश्यक ईंधनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और लोगों को किसी भी तरह की अफवाह या 'पैनिक बुकिंग' से बचना चाहिए।

419 छापे, 105 एफआईआर दर्ज

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए राज्यभर में अब तक 419 छापे मारे गए हैं, जिनमें 3,946 सिलेंडर जब्त किए गए हैं और 105 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतों के लिए टोल–फ्री नंबर 1800–233–3663 और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम सक्रिय हैं। प्रवासी श्रमिकों और छात्रों के लिए बिना पते के प्रमाण के 5 किलो के छोटे सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रिकॉर्ड आपूर्ति, डिजिटल निगरानी सख्त

अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में प्रतिदिन करीब 72 हजार एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। पेट्रोल की आपूर्ति 5,600 किलोलीटर और डीजल 9,800 किलोलीटर प्रतिदिन तक बढ़ा दी गई है, जो सामान्य से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। राज्य में 5 बॉटलिंग प्लांट और 539 वितरकों का नेटवर्क पूरी क्षमता से कार्यरत है। उन्होंने बताया कि 98 प्रतिशत बुकिंग अब डिजिटल माध्यम से हो रही है और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (ष्ठ्रष्ट) अनिवार्य किया गया है।

खरीफके लिए खाद का पर्याप्त भंडार: शहला निगार

कृषि विभाग की ओर से प्रमुख सचिव शहला निगार ने बताया कि खरीफ–2026 के लिए 15.55 लाख टन उर्वरक की आवश्यकता के मुकाबले 8.72 लाख टन (56 प्रतिशत) का भंडारण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। मई से एकीकृत किसान पोर्टल और 'भुईयाँ' पोर्टल को जोड़कर नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे किसानों को उनकी जमीन के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा सकेगा।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा के तत्काल एक्शन से मुक्त कराए गए बाल श्रमिक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बीरगांव ईट भट्ठी पर छापा, 3 नाबालिग बच्चियों का रेस्क्यू

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा को बीरगांव क्षेत्र में स्थित एक ईंट भट्ठी में बच्चों से बाल श्रम कराए जाने की सूचना प्राप्त होते ही उन्होंने तत्काल निर्देश देकर एक संयुक्त टीम का गठन करवाया । रणनीति के तहत एक बार मौका निरीक्षण करते हुए दूसरी बार आज प्रातः लगभग 6 बजे गठित टीम को पुनः मौके पर भेजकर कार्रवाई करवाई गई, जहां तीन नाबालिग बच्चियां कार्य करते हुए पाई गईं। सभी बच्चों की आयु 14 वर्ष से कम पाई गई। टीम द्वारा तत्काल बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। वर्तमान में बच्चों के पुनर्वास की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है, जिसके अंतर्गत उन्हें सुरक्षित वातावरण, शिक्षा एवं बेहतर जीवन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। इस प्रकरण में बाल श्रम निषेध अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी ।

इस कार्यवाही में जिला बाल संरक्षण इकाई से माधुरी शर्मा, जिला बाल संरक्षण अधिकारी संजय निराला, सामाजिक कार्यकर्ता गोरखनाथ पटेल, श्रम निरीक्षक श्री पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता अभिमन्यु भरिया एवं विपिन ठाकुर राज्य समन्वयक एसोसिएशन फॉर वॉलंटियरी एक्शन एवं चाइल्डलाइन टीम के सदस्य शामिल रहे। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बाल श्रम के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444